Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 189 | शनिवार, 18 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

गाजियाबाद को 868 करोड़ की 90 परियोजनाओं की सौगात

अब दिल्ली का ग्रोथ इंजन बना गाजियाबाद: सीएम योगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मुरादनगर स्थित कुशलपाल त्यागी मेमोरियल डिग्री कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में 868 करोड़ रुपये से अधिक की 90 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, लैपटॉप, आवास की चाबियां और प्रशस्ति पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद अब सुशासन, निवेश और आधुनिक आधारभूत संरचना का मॉडल बन चुका है तथा दिल्ली के विकास का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है।

लाभार्थियों को बांटे चेक, लैपटॉप और आवास की चाबियां

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश बाल सेवा योजना के तहत छात्रों को लैपटॉप, मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत ग्राम पंचायतों को चेक, मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की चाबियां तथा ओडीओपी और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा, राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप, सांसद अतुल गर्ग, सांसद राजकुमार सांगवान, विधायक अजीतपाल त्यागी, विधायक डॉ. मंजू सिवाच, विधायक संजीव शर्मा, विधायक नंदकिशोर गुर्जर, महापौर सुनीता दयाल, भाजपा के क्षेत्रीय व जिला पदाधिकारी, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और हजारों नागरिक उपस्थित रहे।

विपक्ष पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में भ्रष्टाचार, दंगे, अपराध और अव्यवस्था का माहौल था। उन्होंने कहा कि अब सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है और जनप्रतिनिधि विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

गुंडागर्दी से विकास मॉडल तक पहुंचा गाजियाबाद

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय गाजियाबाद की पहचान गुंडागर्दी, गंदगी और अराजकता से होती थी, लेकिन आज वही जनपद विकास, सुशासन और बेहतर कानून व्यवस्था के कारण नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि मजबूत कानून व्यवस्था ही विकास और रोजगार का आधार होती है।

एक्सप्रेस-वे और नमो भारत रेल से बदली तस्वीर

मुख्यमंत्री ने दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस–वे, यमुना एक्सप्रेस–वे, गंगा एक्सप्रेस–वे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे और नमो भारत रेल परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं ने क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नई गति दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली से मेरठ की दूरी अब लगभग 40 मिनट में तय हो रही है और हिंडन सिविल टर्मिनल से हवाई सेवाओं का भी लाभ मिल रहा है।

विभागीय स्टॉलों का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दो बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया तथा दो गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म निभाकर मातृ एवं शिशु कल्याण योजनाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

स्व. राजपाल सिंह त्यागी की मूर्ति का अनावरण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं छह बार विधायक रहे स्वर्गीय राजपाल सिंह त्यागी की प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की। उन्होंने कहा कि छह बार विधायक चुना जाना उनकी लोकप्रियता और जनसेवा का प्रमाण है तथा उनका सार्वजनिक जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रहेगा।

धार्मिक आस्था और कांवड़ यात्रा पर सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने कांवड़ यात्रा सहित सभी धार्मिक आयोजनों को सम्मान और सुरक्षा प्रदान की है। उन्होंने श्रद्धालुओं से यात्रा की मयार्दा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि गाजियाबाद से हरिद्वार तक कांवड़ मार्ग को बेहतर बनाया गया है। साथ ही दूधेश्वरनाथ मंदिर कॉरिडोर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों के विकास कार्यों का भी उल्लेख किया।

ट्रेन ने स्कूल वैन को मारी टक्कर, 2 बच्चों समेत 3 की मौत, बंगाल के मुर्शिदाबाद में बड़ा हादसा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ है। इस घटना में दो छात्रों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। कई छात्र घायल भी हुए हैं। यह हादसा मुर्शिदाबाद के बहरामपुर इलाके में सुबह 7 बजे हुआ, जब छात्रों को ले जा रही एक स्कूल वैन को करनासुबर्णा रेलवे क्रॉसिंग पर एक ट्रेन ने टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रेलवे क्रॉसिंग खुली हुई थी और जैसे ही स्कूल वैन उसे पार कर रही थी, निमटिता-कटवा पैसेंजर ट्रेन ने उसे टक्कर मार दी। मौके की तस्वीरों में

पटरी पर वैन का बुरी तरह क्षतिग्रस्त मलबा दिखाई दे रहा था।

चश्मदीदों ने आरोप लगाया कि हावड़ा जाने वाली नवद्वीप एक्सप्रेस के अप लाइन से गुजरने के बाद भी गोबिंदपुर रेल फाटक खुला रहा। एक प्राइवेट स्कूल के स्टूडेंट्स को ले जा रही स्कूल गाड़ी और एक साइकिल सवार ने फाटक खुला होने की वजह से ट्रैक पार करने की कोशिश की।

बांकरा मस्जिद पर बढ़ा विवाद: कोलकाता में काली पट्टी बांधकर पढ़ी गई नमाज, मौलाना बोले- आज भारत का काला दिन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता एयरपोर्ट परिसर में मौजूद बांकरा मस्जिद में सुरक्षा कारणों से लोगों के जाने पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। इस प्रदर्शन के समर्थन में मस्जिद में शुक्रवार की नमाज पढ़ने आए कुछ लोगों को काली पट्टी बांधे हुए देखा गया। हालता के चलते मस्जिद के पास सुरक्षा बल तैनात किए गए। पश्चिम बंगाल में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने

समाचार एजेंसी एएनआई से कहा 'यह भारत के लिए एक काला दिन है। मुझे दुख है क्योंकि बांकरा को बदनाम किया गया। पश्चिम बंगाल में आज एक करोड़ लोगों और 55,000 मस्जिदों में लोगों ने नमाज पढ़ी और काली पट्टी बांधी। मुझे दुख है कि बांकरा को बदनाम किया गया। मैंने कभी नहीं कहा था कि यहां लाखों लोग जमा होंगे।' उन्होंने आगे कहा 'आज बंगाल के 4 करोड़ मुसलमानों और धर्मनिरपेक्ष लोगों के लिए काला दिन है। हमने शांति बनाए रखी। पुलिस किसी अप्रिय घटना की आशंका में हथियारों से लैस होकर आई थी, लेकिन वे नाकाम रहे। उनका स्रोत विफल रह। हमें कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता। हमारे कदम सोचे-समझे हैं। हमारे पास 2004 से हवाई अड्डे के साथ हुए लेन-देन के दस्तावेज है। मस्जिद समिति ने हवाई अड्डे के अधिकारियों और पुलिस स्टेशन को शुक्रवार की नमाज के लिए अनुमति देने हेतु पत्र दिया था। उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मुख्यमंत्री और मैं एक-दूसरे को जानते हैं, इसलिए मैंने उन्हें नमाज की व्यवस्था करने का अनुरोध करते हुए पत्र भेजा, लेकिन कोई मदद नहीं मिला। कल कोलकाता में पुलिस के सहयोग से रथ यात्रा सड़कों पर निकली और सफल रही, लेकिन हमें इससे वंचित रखा गया। मुख्यमंत्री ने मुझसे संपर्क किया। मुझे नहीं पता था कि गृह मंत्री आ रहे है। हम कानूनी रास्ता अपनाएंगे। आज 22 जिलों में 1 करोड़ से अधिक लोगों ने शांतिपूर्वक नमाज अदा की और काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। हमारा अगला कदम अदालत में पेश होना है।'

शामली अब आतंक का नहीं, विकास का प्रतीक, योगी आदित्यनाथ ने भरी हुंकार

उत्तर प्रदेश(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शामली ज़िले में आए बड़े बदलाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह ज़िला कभी अराजकता और डर का केंद्र था, लेकिन अब यहाँ विकास और कनेक्टिविटी का माहौल है। शामली में बोलते हुए उन्होंने याद दिलाया कि एक दशक पहले यह ज़िला आतंक और डर का प्रतीक था, जहाँ बड़े पैमाने पर लोगों का पलायन और गुंडागर्दी होती थी, बुनियादी ढाँचे का विकास रुका हुआ था और सुरक्षा का भी अभाव था। उन्होंने कहा कि दस साल पहले शामली चर्चा का विषय थी; लोग सोचते थे कि शामली ज़िला कहाँ है, क्योंकि यह डर और दहशत का प्रतीक बन गया था। बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा था, खुलेआम गुंडागर्दी होती थी और कोई

भी सुरक्षित नहीं था। विकास के काम रुक गए थे, युवा निराश थे, किसान आत्महत्या करने को मजबूर थे, महिलाएँ और लड़कियाँ बाहर निकलने से डरती थीं, उद्योग ठप हो गए थे और सड़कें गड्ढों से भरी हुई थीं। मुख्यमंत्री ने बड़े एक्सप्रेसवे के जरिए ज़िले की मौजूदा रणनीतिक कनेक्टिविटी पर जोर दिया और शामली को त्रिवेणी संगम बताया।

संपादक की कलम से

आज का मॉनसून, कल का इतिहास नहीं - भविष्य का फैसला है

प्रकृति चेतावनी देने के लिए शब्दों का सहारा नहीं लेती; वह अपने संकेत छोड़ती है–कभी प्यास से फटी धरती पर, कभी पहाड़ों से टूटते मलबे में, तो कभी एक रात की बारिश में ढह गए घरों की खामोशी में। 2026 का मॉनसून भी ऐसा ही एक मौन संदेश था, जिसे अनसुना करना आने वाले कल से आंखें मूंदना होगा।

ललित शर्मा
संपादक

जून में सामान्य से लगभग 40 प्रतिशत से अधिक वर्षा की कमी ने खेतों की उम्मीदें सुखा दीं। एल नीनो के प्रभाव में किसान आसमान निहारते रहे, लेकिन बादल बेरुख रहे। फिर जुलाई ने अचानक करवट बदली। मुंबई, वायनाड, रत्नागिरी सहित कई क्षेत्रों में कुछ दिनों की मूसलाधार बारिश ने साबित कर दिया कि अब खतरा बारिश के कम या अधिक होने में नहीं, बल्कि उसके बेकाबू और असंतुलित स्वरूप में है। 2026 का मॉनसून इस सच्चाई की गवाही बन गया कि जलवायु परिवर्तन ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। यह बदलाव आकस्मिक नहीं, बल्कि विज्ञान की वर्षों पुरानी चेतावनी का साकार रूप है। वैज्ञानिकों के अनुसार, गर्म होती पृथ्वी का वातावरण पहले से अधिक नमी समेट रहा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी का बढ़ता तापमान इसे ऊर्जा दे रहा है। नतीजा यह है कि बादल अब ठहरकर नहीं, टूटकर बरसते हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, जुलाई के शुरूआती दिनों में मुंबई (सांताक्रुज स्टेशन) में 600झ900 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई, जो जुलाई के पूरे महीने के औसत का बड़ा हिस्सा थी। दूसरी ओर, वायनाड में मौसमी वर्षा सामान्य से कम रही, लेकिन दो दिनों की मूसलाधार बारिश ने टनल निर्माण स्थल पर मिट्टी का पहाड़ ढहा दिया। इस हादसे में कई मजदूरों की जान गई, कुछ लापता रहे। यह महज हादसा नहीं, बल्कि बदलते जलवायु दौर की भयावह तस्वीर है, जहाँ कम वर्षा वाला मौसम भी विनाश की इबारत लिख सकता है। 2026 के मॉनसून ने केवल शहरों को नहीं, हमारी विकास–दृष्टि को भी कठघरे में खड़ा कर दिया। कंक्रीट के फैलते जंगलों ने पानी के प्राकृतिक रास्ते निगल लिए। नतीजा था–मुंबई के मानखुर्द में चॉल ढह गई, पालघर में बाढ़ दस से अधिक जिंदगियां बहा ले गई, पेड़ उखड़े, दीवारें गिरीं और शहर दिनों तक थम गए। यह तबाही सिर्फ आसमान से बरसे पानी की नहीं थी; जर्जर ड्रेनेज व्यवस्था, रिक्लेम्ड भूमि पर अनियोजित निर्माण और प्रकृति की कीमत पर खड़ा विकास भी इसके भागीदार थे। जलवायु विशेषज्ञ वर्षों से चेताते रहे हैं कि मध्य भारत में 1950 के बाद अत्यधिक वर्षा की घटनाएं लगभग तीन गुना बढ़ चुकी हैं। 2026 ने उस चेतावनी को आंकड़ों से उठाकर सड़कों, बस्तियों और ज़िंदगियों पर लिख दिया। अब बारिश मौसम नहीं, कुछ घंटों में पूरे महीने का संतुलन और शहरों की व्यवस्था बहा ले जाती है। 2026 के मॉनसून ने एक भ्रम तोड़ दिया–सूखा और बाढ़ अब विरोधी नहीं, बल्कि एक ही जलवायु संकट के दो रूप हैं। एल नीनो ने पहले बारिश रोकी, फिर गर्म वातावरण ने संचित नमी उलीच दी। सूखी धरती पानी सोख न सकी; वही जल मैदानों में बाढ़ और पहाड़ों में भूस्खलन बन गया। बदलता मौसम चेतावनी है कि अब खतरा वर्षा की मात्रा से अधिक उसकी तीव्रता और असंतुलन में है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, वैश्विक तापमान 1.5–2 डिग्री सेल्सियस बढ़ने पर कई क्षेत्रों में आर्द्र गर्मी गंभीर संकट बन सकती है। यानी आने वाले समय में चुनौती केवल सूखे और बाढ़ की नहीं; बारिश के बाद की दमघोंटू उमस जनस्वास्थ्य, श्रम क्षमता और अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ेगी।

सतगुरु से बड़ा कोई मीत नहीं

किशन भावनानी

कविता

सतगुरु से बड़ा कोई मीत नहीं,
अरदास से बेहतर कोई गीत नहीं।
एक बार सच्चे मन से याद तो कर,
सूना जीवन भी रहेगा रीता नहीं।

दिल में श्रद्धा, नयनों में प्यार जगा,
हर पल उसका पावन नाम सजा।
जिसने सतगुरु का हाथ थाम लिया,
उसका हर अधियारा सवेरा बना।

खुदाई से बढ़कर प्रेम का दीप जला,
हर रूह में उसका ही उजियारा मिला।
इंसानियत की राह जो अपनाएगा,
हर कदम पर उसका सहारा मिला।

फरियाद सच्चे दिल से जब भी होगी,
कृपा की वर्षा हर पल तब ही होगी।
दुख की धूप भी छांव में बदल जाएगी,
जब सतगुरु की मेहर साथ ही होगी।

नफरत छोड़ प्रेम का संसार बना,
हर दिल में सेवा का व्यवहार बना।
सतगुरु की वाणी जीवन का आधार बने,
यही मानवता का सबसे बड़ा उपहार बने।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

साम्प्रदायिकता का बढ़ता अंधकार; सब कुछ निगलने को तत्पर

एन0के0शर्मा
लेखक

सभ्यता का इतिहास यह प्रमाणित करता है कि किसी भी राष्ट्र का वास्तविक उत्थान उसकी आर्थिक समृद्धि, सैन्य शक्ति या तकनीकी प्रगति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक विश्वास, नागरिक एकता और नैतिक चेतना से होता है। जब समाज के भीतर अविश्वास की दीवारें खड़ी होने लगती हैं, जब नागरिक अपनी पहचान को साझा नागरिकता से अधिक धार्मिक या साम्प्रदायिक खाँचों में देखने लगते हैं, तब विकास की चमक के पीछे एक गहरा अंधकार जन्म लेता है। यही अंधकार साम्प्रदायिकता है-एक ऐसी मानसिक अवस्था जो मनुष्य को मनुष्य से दूर करती है और राष्ट्र की सामूहिक शक्ति को भीतर से कमजोर करती है।

साम्प्रदायिकता का अर्थ केवल विभिन्न धर्मों या समुदायों का अस्तित्व नहीं है। विविधता किसी भी लोकतांत्रिक समाज की स्वाभाविक विशेषता है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब धार्मिक या सामुदायिक पहचान का उपयोग भय, घृणा, संदेह या राजनीतिक ध्रुवीकरण के लिए किया जाता है। ऐसे वातावरण में व्यक्ति का मूल्य उसके चरित्र, कर्म और नागरिक दायित्व से नहीं, बल्कि उसकी पहचान से आँका जाने लगता है। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों, समानता और संवैधानिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है।

भारत जैसे बहुलतावादी देश की शक्ति उसकी विविधता में निहित रही है। यहाँ अनेक भाषाएँ, आस्थाएँ, परंपराएँ और जीवन-पद्धतियाँ सहस्त्राब्दियों से साथ-साथ विकसित हुई हैं। इतिहास में मतभेद भी रहे, संघर्ष भी हुए, किंतु सह-अस्तित्व, संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपरा ने समाज को बार-बार संतुलित किया। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता ने अनेक झटके सहकर भी स्वयं को पुनर्गठित किया। यदि यह साझा आधार कमजोर पड़ता है, तो उसकी कीमत केवल सामाजिक तनाव के रूप में नहीं, बल्कि आर्थिक, शैक्षिक और संस्थागत क्षति के रूप में भी सामने आती है।

साम्प्रदायिक तनाव का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव विश्वास का क्षरण है। विश्वास किसी भी समाज की अदृश्य पूँजी है। जब नागरिक एक-दूसरे पर भरोसा खोने लगते हैं, तो सहयोग कम होता है, संवाद कठिन हो जाता है और सामान्य सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। विद्यालयों से लेकर बाजारों तक, कार्यस्थलों से लेकर पड़ोस तक, हर जगह संदेह का वातावरण सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करता है।

आर्थिक दृष्टि से भी इसका प्रभाव व्यापक होता है। जहाँ अस्थिरता और तनाव का वातावरण बनता है, वहाँ निवेश, उद्योग, पर्यटन और स्थानीय व्यापार प्रभावित होते हैं। छोटे व्यापारी, दैनिक मजदूर, परिवहन से जुड़े लोग और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक सबसे पहले इसकी मार झेलते हैं। किसी भी प्रकार की हिंसा या अशांति अंततः उन्हीं नागरिकों को सबसे अधिक नुकसान पहुँचाती है जिनके जीवनयापन के साधन सीमित होते हैं।

राजनीतिक स्तर पर साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण लोकतांत्रिक विमर्श को भी सीमित कर सकता है। जब सार्वजनिक चर्चा शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यावरण, विज्ञान, कृषि या प्रशासनिक सुधार जैसे विषयों से हटकर केवल पहचान-आधारित विवादों में उलझ जाती है, तब शासन और समाज दोनों के सामने उपस्थित वास्तविक चुनौतियाँ पीछे छूटने लगती हैं। लोकतंत्र की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक अपने प्रतिनिधियों से किन प्रश्नों का उत्तर माँगते हैं। डिजिटल युग ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। सोशल मीडिया पर अपुष्ट सूचनाएँ, भ्रामक वीडियो, पुराने घटनाक्रमों को नए संदर्भ में प्रस्तुत करना, और भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री बहुत तेजी से फैल सकती है। कई बार लोग बिना सत्यापन के संदेश साझा कर देते हैं, जिससे भ्रम और तनाव बढ़ता है। डिजिटल साक्षरता आज केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी है। किसी भी सूचना को साझा करने से पहले उसके स्त्रोत, संदर्भ और विश्वसनीयता की जाँच करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व होना चाहिए। साम्प्रदायिकता की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका लाभ अक्सर सीमित समूहों को मिलता है, जबकि इसकी कीमत पूरा समाज चुकाता है। विभाजन का वातावरण जितना गहरा होता है, उतना ही कठिन हो जाता है साझा समाधान खोजना। इसके विपरीत, जब समाज संवाद, संवेदनशीलता और संवैधानिक मूल्यों को महत्व देता है, तब मतभेद भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनते हैं, संकट का कारण नहीं। शिक्षा इस चुनौती का दीर्घकालिक समाधान हो सकती है। ऐसी शिक्षा जो केवल परीक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि संविधान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आलोचनात्मक सोच, नैतिकता और सह-अस्तित्व की भावना को भी विकसित करे। परिवारों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक एवं सामाजिक नेतृत्व, मीडिया और नागरिक संगठनों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है कि वे भाषा और व्यवहार में संयम, तथ्यपरकता और संवाद को बढ़ावा दें।

मीडिया का दायित्व विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। समाचारों की प्रस्तुति में तथ्य, संदर्भ और संतुलन आवश्यक हैं। उत्तेजना, सनसनी या अपुष्ट दावों पर आधारित विमर्श अल्पकालिक ध्यान तो आकर्षित कर सकता है, परंतु दीर्घकाल में सामाजिक विश्वास को क्षति पहुँचा सकता है। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज को विभाजित करना नहीं, बल्कि सत्य, जवाबदेही और विवेकपूर्ण संवाद को मजबूत करना होना चाहिए।

यह भी स्मरण रखना चाहिए कि किसी भी समुदाय के अधिकांश लोग शांति, सम्मान और सुरक्षित जीवन चाहते हैं। कुछ व्यक्तियों या समूहों के आचरण के आधार पर पूरे समुदाय का आकलन करना न्यायसंगत नहीं है। कानून का शासन व्यक्ति के कर्म के आधार पर उत्तरदायित्व तय करता है, न कि उसकी सामुदायिक पहचान के आधार पर। यही सिद्धांत लोकतांत्रिक समाज की मजबूती का आधार है।

आज आवश्यकता भय के विस्तार की नहीं, विश्वास के पुनर्निर्माण की है। नागरिकों को संवाद के पुल बनाने होंगे, युवाओं को आलोचनात्मक सोच और संवेदनशीलता अपनानी होगी, और संस्थाओं को निष्पक्षता, पारदर्शिता तथा विधि के शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुदृढ़ करनी होगी। यदि समाज अपने मतभेदों को संवाद, न्याय और संवैधानिक प्रक्रिया से सुलझाने की क्षमता बनाए रखता है, तो विविधता उसकी शक्ति बनती है; यदि नहीं, तो वही विविधता विभाजन का माध्यम बन सकती है।

इतिहास अनेक सभ्यताओं के उत्थान और पतन का साक्षी रहा है। जो समाज घृणा की राजनीति और अविश्वास की संस्कृति में उलझ गए, वे भीतर से कमजोर हुए। इसके विपरीत, जिन्होंने समान नागरिकता, न्याय और परस्पर सम्मान को अपनाया, वे अधिक स्थिर और समृद्ध बने। भारत के सामने भी यही विकल्प है-विविधता को विभाजन का आधार बनाया जाए या साझा भविष्य की शक्ति।

साम्प्रदायिकता का बढ़ता अंधकार केवल वर्तमान का संकट नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की संभावनाओं पर भी प्रश्नचिह्न है। यदि हम इसे समय रहते पहचानें, तथ्यों को अफवाहों पर, संवाद को टकराव पर और संवैधानिक मूल्यों को संकीर्ण पहचानों पर प्राथमिकता दें, तो यह अंधकार स्थायी नहीं रहेगा। राष्ट्र का भविष्य केवल सरकारों से नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों के दैनिक आचरण, पारस्परिक सम्मान और साझा उत्तरदायित्व से निर्मित होता है। यही चेतना उस प्रकाश की पहली किरण है जो किसी भी विभाजनकारी अंधकार को परास्त कर सकती है।

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है, तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा-बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ?

हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी।

यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है, क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए।

सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते, तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा।

फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना। आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों-शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान-में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी। वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संपत्ति कुछ हाथों में अधिक केंद्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ। महानगरों में भूमि की उपलब्धता सीमित रही। निवेशकों ने आवास को रहने की आवश्यकता से अधिक निवेश का साधन बना दिया। परिणामस्वरूप मकान आम परिवार की पहुंच से दूर होते गए। इसी प्रकार शिक्षा सेवा न रहकर एक बड़े उद्योग का रूप लेती गई। इन संरचनात्मक कारणों की अनदेखी कर पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के रोजगार पर डाल देना समस्या का समाधान नहीं है। निश्चित रूप से आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। छोटे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, वैवाहिक संबंधों में संवाद की कमी और बढ़ता मानसिक तनाव वास्तविक समस्याएं हैं। इनका समाधान लचीले कार्य घंटे, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, गुणवत्तापूर्ण डे-केयर, परिवार समर्थक नीतियों और कार्यस्थलों पर संवेदनशील वातावरण से निकलेगा। केवल महिलाओं को दोषी ठहराने से न तो महंगाई कम होगी और न ही परिवार मजबूत होंगे। यह भी समझना होगा कि अनेक महिलाओं के लिए नौकरी कोई शौक नहीं बल्कि आवश्यकता है। बढ़ती महंगाई, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा खर्च, आवास ऋण और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के कारण दोहरी आय कई परिवारों की मजबूरी बन चुकी है। दूसरी ओर लाखों महिलाएं अपनी प्रतिभा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक योगदान के लिए भी कार्य करना चाहती हैं। उनके निर्णय को केवल बाजार की साजिश बताना उनके व्यक्तित्व और अधिकारों दोनों को सीमित करता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज में पुरुष और महिला दोनों की भूमिकाएं बदल रही हैं। यदि दोनों कमाते हैं तो घरेलू जिम्मेदारियां भी दोनों को साझा करनी चाहिए। बच्चों का पालन-पोषण केवल मां का नहीं, पिता का भी समान दायित्व है। इसी प्रकार आर्थिक जिम्मेदारी केवल पुरुष की नहीं, बल्कि आवश्यकता और सहमति के अनुसार दोनों की हो सकती है। आधुनिक परिवार की सफलता इसी साझेदारी में निहित है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता दोषारोपण की नहीं बल्कि संतुलन की है। हमें ऐसा समाज चाहिए जहां परिवार भी मजबूत हों और महिलाओं की प्रतिभा भी विकसित हो। जहां घरेलू कार्य का सम्मान हो और पेशेवर उपलब्धियों का भी। जहां बच्चों को माता-पिता दोनों का समय मिले और दोनों को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर भी। आर्थिक नीतियां ऐसी हों कि शिक्षा और आवास आम नागरिक की पहुंच में रहें। निजी संस्थानों पर प्रभावी नियमन हो, गुणवत्तापूर्ण सरकारी विद्यालय और अस्पताल मजबूत किए जाएं तथा आवास क्षेत्र में पारदर्शिता और किफायत सुनिश्चित की जाए। अंततः यह कहना कि आज की सारी आर्थिक समस्याओं की जड़ महिलाओं का रोजगार है, न तो न्यायसंगत है और न ही तथ्यों पर आधारित। उतना ही गलत यह कहना होगा कि आधुनिक व्यवस्था में कोई समस्या ही नहीं है। वास्तविकता इन दोनों अतियों के बीच है। परिवारों पर बढ़ता आर्थिक दबाव, बच्चों के लिए समय की कमी और सामाजिक बदलाव गंभीर मुद्दे हैं, लेकिन इनके समाधान के लिए हमें व्यापक आर्थिक सुधार, परिवार समर्थक नीतियां और लैंगिक सहयोग की आवश्यकता है, न कि समाज के आधे हिस्से को समस्याओं का कारण घोषित करने की। किसी भी सभ्यता की मजबूती तब बढ़ती है जब वह अधिकार और उत्तरदायित्व, स्वतंत्रता और परिवार, विकास और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यही संतुलन भविष्य के स्वस्थ, समृद्ध और संवेदनशील समाज की आधारशिला बनेगा।

नागरिकता का प्रमाण: दस्तावेजों का जाल या व्यवस्था की चुनौती?

स्नेहा सिंह
लेखिका

देश में इन दिनों एक सवाल करोड़ों लोगों के मन में बारबार उठ रहा है कि मैं भारत का नागरिक हूं, इसका अंतिम प्रमाण क्या है? सामान्य व्यक्ति के लिए यह प्रश्न जितना सरल दिखता है, व्यवहार में उतना ही जटिल बन गया है। नागरिकता से जुड़ी कानूनी प्रक्रियाओं, सरकारी विभागों के अलग-अलग स्पष्टीकरण, मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) और सोशल मीडिया पर फैल रही आधी-अधूरी सूचनाओं ने लोगों के मन में असमंजस और चिंता दोनों पैदा कर दिए हैं। गांव के किसान से लेकर शहर के नौकरीपेशा व्यक्ति तक अनेक लोग यह जानना चाहते हैं कि यदि उनके पास जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट नहीं है, तो क्या भविष्य में उन्हें नागरिकता सिद्ध करने में कठिनाई होगी? समस्या इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि सरकार के विभिन्न विभाग अलग-अलग दस्तावेजों की अलग-अलग उपयोगिता बताते हैं। आधार कार्ड पहचान और निवास का प्रमाण है, लेकिन नागरिकता का नहीं। पैन कार्ड कर व्यवस्था से जुड़ा दस्तावेज है। बैंक पासबुक वित्तीय पहचान देती है। मतदाता पहचान पत्र मतदान का अधिकार सुनिश्चित करता है, पर उसे भी नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जाता। विदेश मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट मुख्यतः अंतरराष्ट्रीय यात्रा का दस्तावेज है, नागरिकता का कानूनी प्रमाण नहीं। ऐसे में आम नागरिक के सामने यह स्वाभाविक प्रश्न खड़ा होता है कि आखिर वह किस दस्तावेज के आधार पर स्वयं को भारतीय नागरिक सिद्ध करे? भारतीय नागरिकता का निर्धारण संविधान के प्रावधानों तथा नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार होता है। इस कानून में समय-समय पर संशोधन किए गए हैं। 26 जनवरी, 1950 से 1 जुलाई, 1987 के बीच भारत में जन्म लेने वाला व्यक्ति सामान्यतः जन्म के आधार पर भारतीय नागरिक माना जाता है। 1 जुलाई, 1987 से 3 दिसंबर, 2004 के बीच जन्म लेने वालों के लिए यह आवश्यक किया गया कि माता या पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक हो। 3 दिसंबर, 2004 के बाद जन्मे बच्चों के लिए नियम और अधिक कठोर हुए, जिनमें माता-पिता की नागरिकता से संबंधित शर्तें जोड़ी गईं। इसलिए नागरिकता का प्रश्न केवल किसी एक कार्ड से नहीं, बल्कि कानूनी परिस्थितियों और उपलब्ध दस्तावेजों के समग्र मूल्यांकन से तय होता है। यहीं सबसे बड़ी व्यावहारिक कठिनाई सामने आती है। आज भी देश के करोड़ों बुजुर्गों के पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है। छह-सात दशक पहले ग्रामीण भारत में अधिकांश बच्चों का जन्म घरों में होता था और जन्म का पंजीकरण सामान्य प्रथा नहीं थी। ऐसे लोगों के लिए स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, शैक्षणिक रिकार्ड, सरकारी सेवा अभिलेख, भूमि या राजस्व संबंधी दस्तावेज तथा अन्य सरकारी रिकार्ड ही पहचान स्थापित करने का आधार बनते हैं। लेकिन जो कभी स्कूल नहीं गए और जिनके पास ऐसे दस्तावेज भी नहीं हैं, उनके लिए स्थिति और अधिक जटिल हो जाती है। डिजिटल युग ने दस्तावेजों के महत्व को पहले से कहीं अधिक बढ़ा दिया है। सरकारी योजनाएं, बैंकिंग सेवाएं, पेंशन, सब्सिडी, स्वास्थ्य योजनाएं और अधिकांश प्रशासनिक सेवाएं अब आनलाइन होती जा रही हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को अपने सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों की मूल प्रतियों के साथ डिजिटल प्रतियां भी सुरक्षित रखनी चाहिए। जन्म और मृत्यु का समय पर पंजीकरण कराना, सभी दस्तावेजों में नाम, जन्मतिथि और वर्तनी की समानता बनाए रखना तथा समय-समय पर आवश्यक सुधार कराना भी अत्यंत आवश्यक हो गया है।

आगामी कावड़ यात्रा-2026 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह एवं अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में श्रावण माह में आयोजित होने वाली कावड़ यात्रा-2026 की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कावड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु विभागवार दायित्व निर्धारित किए गए।

जिलाधिकारी ने बताया कि कावड़ यात्रा मार्ग का संयुक्त भ्रमण कर लिया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि संपूर्ण मार्ग पर बैरिकेडिंग, सी सी टी वी, ड्रोन कैमरा एवं पर्याप्त पुलिस/पीएसी बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जाए।

नगर पालिका/नगर पंचायत एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि कावड़ मार्ग, शिविर स्थलों एवं घाटों पर नियमित साफ-सफाई, चूना छिड़काव, मोबाइल टॉयलेट एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करें। मार्ग में कहीं भी गड्ढे न रहें।

अधिशासी अभियंता जल निगम एवं सभी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अपने अपने क्षेत्र में भ्रमण करते हुए सुनिश्चित करें कि कहीं पर भी पाइपलाइन कार्य,क्षतिग्रस्त

सड़के एवं जल भराव की स्थिति ना हो, समय से ही उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि मार्ग में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं। कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को दवाई संबंधित दिक्कतें न हो उसके लिए समय से ही पर्याप्त मात्रा में दवाई उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा आपातकाल की स्थिति होने की सभी व्यवस्थाएं पूर्ण रखें। सभी सी एच सी/पी एच सी व जिला अस्पताल में इमरजेंसी सेवाएं, एंटी-वेनम, एंटी-रेबीज एवं जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध रहें।

अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि कावड़ मार्ग पर लटकते/जर्जर तारों को तत्काल ठीक करें। विद्युत के सभी खंभों पर अस्थाई काली पॉलीथिन की टैपिंग करा दी जाए। कावड़ शिविरों में अस्थाई विद्युत कनेक्शन नियमानुसार दें। अग्निशमन विभाग प्रत्येक शिविर स्थल पर फायर टेंडर व उपकरणों के साथ तैनात रहे। जिला अभिहित अधिकारी - खाद्य सुरक्षा को निर्देश दिए कि कावड़ मार्ग पर स्थित होटल, ढाबा, फल एवं खाद्य सामग्री विक्रेताओं की सघन चेकिंग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि शिविर लगाने हेतु अनुमति संबंधित उप जिलाधिकारी से संबंध में बनाकर ले सकते हैं।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी एवं यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि भारी वाहनों का रूट डायवर्जन प्रभावी ढंग से लागू कराना सुनिश्चित करें, जिससे जाम की समस्या उत्पन्न ना हो। कावड़ियों के विश्राम के लिए सड़क मार्ग से हटकर पार्किंग स्थल चिन्हित करें। जिला स्तर पर एकीकृत कंट्रोल रूम स्थापित होगा जो 24 घंटे कार्य करेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। अफवाह फैलाने वालों पर एन एस ए की कार्रवाई होगी। जिलाधिकारी ने अपील कर कहा कि 'कावड़ यात्रा आस्था एवं अनुशासन का प्रतीक है।

सभी कावड़िए यातायात नियमों का पालन करें, प्लास्टिक का प्रयोग न करें। जनपदवासी सहयोग कर यात्रा को ऐतिहासिक बनाएं। प्रशासन आपकी सेवा में तत्पर है।' बैठक में सभी उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी पुलिस, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, सभी अधिशासी अधिकारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग/विद्युत/जल निगम उपस्थित रहे।

50 लीटर डीजल की तस्करी करते युवक धराया

वेलकम इंडिया ब्यूरो

अलीगढ़वा/सिद्धार्थनगर। नेपाल सीमा के सटे अलीगढ़वा कस्बा के ठकुरापुर गांव के पास नेपाल ले जाते समय एक व्यक्ति को 50 लीटर डीजल के साथ पकड़ा गया है। एसएसबी कैम्प अलीगढ़वा के जवानों ने गस्त के दौरान कार्यवाही की है। पकड़े गये युवक की पहचान लवकुश पुत्र प्रहलाद चाकर चौड़ा जिला कपिलवस्तु नेपाल के रूप में हुई है। साईकिल,डीजल के साथ युवक को कस्टम कार्यालय ककरहवा भेज दिया गया है। सीजर में इंस्पेक्टर राम प्रताप सिंह सहित सुरक्षा कर्मी शामिल रहे।

एसएसबी ने सीमावर्ती गांव में लगाया नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर, 203 पशुओं का हुआ उपचार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

ककरहवा/सिद्धार्थनगर। 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने शुक्रवार को सीमा चौकी ककरहवा क्षेत्र के वाइब्रेंट गांव फरसादीपुर में निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में क्षेत्रक मुख्यालय गोरखपुर के मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी (एसजी) डॉ. चंदन तालुकदार ने सीमावर्ती गांवों के पशुपालकों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई।

शिविर के दौरान ककरहवा और फरसादीपुर के 42 पशुपालकों के कुल 203 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाएं निःशुल्क वितरित की गईं। डॉ. तालुकदार ने पशुपालकों को पशुओं की देखभाल, संतुलित आहार और बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी। इस अवसर पर पशुपालन एवं पशु स्वास्थ्य संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 43वीं वाहिनी के डी समवाय

ककरहवा के सहायक कमांडेंट निलेश संतोष मसुले, अन्य एसएसबी कर्मी, ग्राम प्रधान तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को गुड टच-बैड टच व साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लोटन/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज-5.0 द्वितीय चरण के तहत थाना लोटन पुलिस ने शुक्रवार को ग्राम चनरैया में जागरूकता अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, नए कानून, साइबर अपराध और एंटी रोमियो अभियान के प्रति जागरूक किया। थानाध्यक्ष हरिओम कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को उनकी आयु के अनुरूप सरल भाषा में गुड टच और बैड टच के बारे में जानकारी दी गई।

उन्हें बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति अनुचित तरीके से स्पर्श करे या असहज महसूस कराए तो बिना डर के अपने अभिभावक, शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी दें तथा जरूरत पड़ने पर पुलिस हेल्पलाइन की सहायता लें। पुलिस टीम ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112, 1098, 108, 101, 1076 और साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी। साथ ही नए आपराधिक कानूनों एवं संबंधित प्रमुख धाराओं की भी जानकारी देकर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। अभियान में कांस्टेबल शिवपाल सिंह यादव एवं महिला कांस्टेबल पूजा वर्मा शामिल रहीं।

बिस्कोहर के जतिन सिंह ने नीट में लहराया परचम, मिली 8092वीं रैंक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर के प्रतिभावान युवा ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर बिस्कोहर का नाम रोशन किया है। नगर पंचायत बिस्कोहर के वार्ड नंबर 5 अटल नगर बेलवा निवासी समाजसेवी संजय सिंह के पुत्र जतिन सिंह ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-2026) में शानदार सफलता हासिल की है। जतिन ने परीक्षा में 720 में से 607 अंक अर्जित कर अखिल भारतीय स्तर पर 8092वीं रैंक हासिल की है।

जतिन सिंह ने यह सफलता अपने दूसरे प्रयास में हासिल की है। इसके लिए वह राजस्थान के कोटा में रहकर कड़े अनुशासन के साथ तैयारी कर रहे थे। पहले प्रयास में अपेक्षित सफलता न मिलने के बावजूद जतिन ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी कमियों को दूर करते हुए दोबारा दुगनी मेहनत से पढ़ाई की।

जतिन ने अपनी इस बड़ी कामयाबी का श्रेय अपने बाबा व इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य आर डी सिंह, पिता संजय सिंह, माता रिंका देवी के आशीर्वाद और गुरुजनों के सही मार्गदर्शन को दिया है।

जतिन ने बताया कि उनका एकमात्र लक्ष्य चिकित्सा शिक्षा ग्रहण कर एक उत्कृष्ट चिकित्सक बनना है, ताकि वे भविष्य में देश और समाज की निःस्वार्थ सेवा कर सकें। जतिन की इस गौरवमयी उपलब्धि से पूरे बेलवा और बिस्कोहर क्षेत्र में खुशी की लहर है। जतिन की इस शानदार सफलता पर अजय सिंह, अजीत सिंह, दिनेश सिंह, पवन भोजवाल, राहुल, राधेश्याम यादव और ओम प्रकाश कौशल समेत तमाम क्षेत्रवासियों ने उनके आवास पर पहुंचकर बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

धौलाना तहसील को न्यायिक कार्य में मिलेगा बार का पूर्ण सहयोग गजेंद्र सिंह

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना से आदेश पाकर धौलाना तहसील का कार्यभार ग्रहण करने पहुंची नवागंतुक उपजिलाधिकारी कल्पना सिंह चौहान का बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट विनोद सिसौदिया के नेतृत्व में अधिवकाताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत समारोह को सम्बोधित करते हुए बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह ने कहा कि वादकारियों के हित को ध्यान में रखते हुए बार का पूरा सहयोग किया जाएगा। साथ ही यह भी कहा कि सहयोग दोनों ओर से चलने वाली संतुलित भावना है, इसका ध्यान अवश्य रखें अधिवक्ताओं ने पुष्प गुच्छ भेंट कर व मिठाई खिलाकर नई आई एस डी एम को बधाई दी इस अवसर पर एस दी एम कल्पना सिंह ने कहा कि वे पूरा प्रयास रहेगा कि किसी के भी साथ अन्याय न हो। साथ ही आश्वस्त किया कि अधिवक्ता ऑफिसर ऑफ द कोर्ट होते हैं, उन्हें इस बात का अहसास भी उनके कार्यकाल में होगा। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अमरपाल सिंह सिसौदिया, मुनेश सिसौदिया,राहुल राणा,संजय तोमर,हरेंद्र तोमर,अमित चेयरमैन, अभिषेक तोमर, मान सिंह तोमर, प्रवीण तोमर, विपिन राणा, शीशपाल सिंह मेजर, बादल प्रताप, सतेंद्र राणा, योगेंद्र प्रताप सिंह, रामकिशन राणा आदि सहित भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद थे। सभी ने बधाई दी।

बाल श्रम मुक्त जनपद बनाने को निकाली गयी जागरूकता रैली

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश अभियान के तहत शुक्रवार को मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान, श्रम विभाग एवं थाना एएचटी के संयुक्त तत्वावधान में बर्डपुर स्थित बुद्ध विद्या पीठ इन्टर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को बाल श्रम के दुष्परिणामों एवं शिक्षा के महत्व की जानकारी दी गई। इसके बाद छात्र-छात्राओं के साथ जागरूकता रैली निकालकर लोगों को बाल श्रम के प्रति जागरूक किया व बाल श्रम मुक्त प्रतिष्ठान का स्टीकर दुकानों पर चस्पा किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्रम प्रवर्तन अधिकारी जितेन्द्र कुमार ने कहा कि बाल श्रम सामाजिक अभिशाप है। प्रत्येक बच्चे का बचपन सुरक्षित रखना और उसे शिक्षा से जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम कराने वालों

के विरुद्ध कानून में कठोर कार्रवाई का प्रावधान है। यदि कहीं बाल श्रम कराया जा रहा हो तो इसकी सूचना तत्काल श्रम विभाग को दें।

एएचटी प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र सिंह ने कहा कि बच्चों से मजदूरी कराना उनके अधिकारों का हनन है। पुलिस विभाग बाल श्रम और बाल तस्करी के मामलों पर लगातार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि बाल श्रम की जानकारी मिलने पर सम्बन्धित विभाग या पुलिस को अवश्य सूचित करें।

एमआईएस अभिषेक मिश्रा ने कहा कि बच्चों का भविष्य शिक्षा से ही सुरक्षित हो सकता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी बच्चा मजदूरी करने के बजाय विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करे।

उन्होंने बाल श्रम निषेध से संबंधित कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी। जिला सलाहकार जय प्रकाश गुप्ता ने कहा कि बाल श्रम उन्मूलन केवल सरकारी विभागों का दायित्व नहीं, बल्कि समाज की भी साझा जिम्मेदारी है।

अभिभावकों को अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजना चाहिए, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्होंने बच्चो को टोल फ्री नम्बर जैसे चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, पुलिस 112, महिला हेल्प लाइन 1090 की पूर्ण जानकारी दी। प्रिंसिपल शिवकरन ने जागरुकता कार्यक्रम के लिए आई टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके बाद निकाली गई जागरूकता रैली में छात्र-छात्राओं ने 'बाल श्रम बन्द करो, बच्चों का भविष्य सुरक्षित करो', 'नन्हे हाथों में कलम हो, मजदूरी का कोई गम न हो' जैसे नारे लगाते हुए समुदाय को जागरूक किया।

कार्यक्रम में मुख्य आरक्षी अमित त्रिपाठी, महिला मुख्य आरक्षी प्रिया तिवारी, महिला आरक्षी ममता, आरक्षी आशुतोष सिंह, विद्यालय के शिक्षक पूर्णेश्वर मिश्र, विजय बहादुर वर्मा, रणवीर सिंह, वशिष्ट नारायण मिश्र, नीरज सिंह, नरेन्द्र कुमार, मोती कुमार, रविन्द्र कुमार, रूपेश कुमार, रामबचन राम, जीतेन्द्र कुमार वर्मा, यशवंत कुमार सहित बड़ी संख्या में विद्यालय छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

पिलखुवा कोतवाली पुलिस ने एक दिन पहले हुई कोल्ड ड्रिंक की दुकान हुई में चोरी का किया खुलासा दो अभियुक्त एक बाल अपचारी सहित गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद के के थाना पिलखुवा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार चौहान पुलिस टीम ने मोहल्ला गढ़ी स्थित कोल्ड ड्रिंक की दुकान हुई में चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए एक बाल अपचारी समेत दो को गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से पुलिस ने नकदी, दस्तावेज, चोरी करने के उपकरण और अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मेहताब उर्फ पन्नू पुत्र सलीम निवासी मोहल्ला सद्दीकपुरा पिलखुवा जनपद हापुड़ तथा एक बाल अपचारी को पकड़ा है। पिलखुवा के मोहल्ला गढ़ी में चोरों ने एक कोल्ड ड्रिंक की दुकान को अपना निशाना बनाया था जहां से चोरों ने नकदी और कीमती सामान चुराया। चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। इसके बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक बालाचारी भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों को आरकेजी कॉलेज के पास से पकड़ा है जिनके कब्जे से आरोपियों ने पुलिस ने 17,720 नकद, एक आधार कार्ड, जीएसटी बिल, चेक बुक, चोरी करने के उपकरण, एक अवैध चाकू बरामद किया है।

यूनिवर्सल एकेडमी ने मुकुल कुमार (पूर्व छात्र) एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक को सम्मानित किया

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिजनौर। यूनिवर्सल एकेडमी ने अपने पूर्व छात्र मुकुल कुमार को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान पाने पर सम्मानित किया। मुकुल ने इस प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की वेबसाइट पर दिनांक को 2 मई 2025 भरा था, और.परिणाम दिनाँक 26 मई 2025 को घोषित किया गाया। इस प्रतियोगिता में मुकुल कुमार ने अपनी दाहिनी टांग से 30 सेकंड में आंखों पर पट्टी बांधकर 84 एक पैर रस्सी कूद लगाकर यह रिकॉर्ड बनाया। इसके परिणाम स्वरूप आज

मुकुल कुमार ने सोशल मीडिया, गूगल पर अपनी पहचान बनाई। मुकुल कुमार 'रोप स्किपर' के रूप में एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपनी विशेष पहचान बना चुके हैं और उनका रिकॉर्ड ऑनलाइन (Googled)भी खोजा जा सकता है। इस अवसर पर चेयरमैन राकेश कर्णवाल, प्रो चेयरमैन रईस अहमद, प्रधानाचार्य डॉ. अनुज त्यागी, उप-प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने मुकुल को उसकी शानदार उपलब्धि पर बधाई दी और उसकी उत्कृष्ट उपलब्धि के सम्मान में 11000 रुपये का चेक देकर उसे सम्मानित किया। और विद्यार्थियों को जीवन में मेहनत के महत्व पर प्रेरणादायक संबोधन भी दिया। विद्यालय प्रबंधन ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने उसकी लगन और मेहनत की सराहना की और उसके उज्वल भविष्य की कामना की।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई पंचायती राज विभाग के विकास कार्यों की बैठक,विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

15वें वित्त आयोग, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं अन्य योजनाओं की प्रगति की जिलाधिकारी ने ली जानकारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों, 15वें वित्त आयोग, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में स्वीकृत निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण

किए जाएं। गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। प्राप्त धनराशि से पेयजल, नाली, सड़क एवं सामुदायिक शौचालय के कार्यों को प्राथमिकता पर कराया जाए। श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाए। कार्यों का सोशल ऑडिट एवं जियो टैगिंग अनिवार्य रूप से की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि ओडीएफ+ प्लस के अंतर्गत सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र एवं अन्य सेवाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। पंचायतों में शिकायत पेटिका एवं हेल्पलाइन को सक्रिय रखा जाए। ग्राम प्रधान एवं सचिव नियमित रूप से जनता की समस्याएं सुनें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा,समस्त खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड देश का पहला 'अग्निवीर रोजगार सेल' स्थापित करेगा : मुख्यमंत्री

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कुआंवाला (डोईवाला) में आयोजित 'युवा अग्निवीर संवाद' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अग्निवीर बनने की तैयारी कर रहे युवाओं से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड देश का पहला राज्य बनेगा, जहां 'अग्निवीर रोजगार सेल' की स्थापना की जाएगी।

यह सेल अग्निवीरों के मार्गदर्शन, कौशल विकास, पुनर्वास एवं रोजगार के अवसरों का प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करेगा। साथ ही, पूर्व सैनिकों एवं अग्निवीरों को होमस्टे तथा स्वरोजगार योजनाओं में विशेष अनुदान और प्राथमिकता भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, हमारी सरकार पहले ही अग्निवीरों को राज्य की सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दे चुकी है। हमारा संकल्प है कि राष्ट्रसेवा का गौरवपूर्ण दायित्व निभाने वाले प्रत्येक अग्निवीर को सेवा के बाद भी सम्मानजनक अवसर, आत्मनिर्भर भविष्य और सशक्त जीवन का मजबूत आधार मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में हजारों की संख्या में उपस्थित युवाओं, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं मातृशक्ति का आत्मीय स्नेह, उत्साह और विश्वास अभिभूत करने वाला रहा। आप सभी का यह अपार स्नेह एवं समर्थन ही हमें देवभूमि और राष्ट्रसेवा के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की निरंतर प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर माननीय विधायक बृजभूषण गैरोला जी एवं माननीय दायित्वधारी कर्नल अजय कोठियाल (सेवानिवृत्त) सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष ने राज्यपाल से की भेंट

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल ले.जन. गुरमीत सिंह से आज लोक भवन में उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह गांधी एवं प्राधिकरण के सदस्यों ने शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान डॉ. गांधी ने राज्य में अल्पसंख्यक शिक्षा के क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों तथा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी राज्यपाल को दी। उन्होंने शिक्षा के प्रसार, संस्थागत सुदृढ़ीकरण एवं विद्यार्थियों के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों के बारे में अवगत कराया। राज्यपाल ने प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा सामाजिक समावेशन और सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी संबंधित संस्थाओं के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक योगदान देता रहेगा और समाज के विभिन्न वर्गों तक शिक्षा के अवसरों को और अधिक सुलभ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर प्राधिकरण के सदस्य प्रो.(डॉ.) राकेश कुमार जैन, डॉ. सय्यद अली हमीद, प्रो. प्रेमा तेंजिन, प्रो. गुरमीत सिंह, डॉ. अल्बा मंड्रेले, चन्द्र शेखर भट्ट, राजेन्द्र बिष्ट एवं विशेष सचिव पराग मधुकर धकाते उपस्थित रहे।

सपा नेता अनित शुक्ला ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

शुजागंज अयोध्या। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर जनजागरण यात्रा अयोध्या पहुंचे। रुदौली में समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सपा नेता अनित शुक्ला के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने शंकराचार्य का भव्य स्वागत किया। स्वागत के दौरान शंकराचार्य ने अनित शुक्ला को गौ संरक्षण के लिए गौशाला निर्माण का आशीर्वाद और निर्देश दिया। इस पर सपा नेता अनित शुक्ला ने शीघ्र ही एक गौशाला के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर शंकराचार्य ने राम मंदिर में कथित दान चोरी प्रकरण को लेकर राम मंदिर ट्रस्ट और राज्य सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी पर जिम्मेदारी न लेने का आरोप लगाया और कहा कि गिरफ्तार किए गए लोग केवल 'बलि का बकरा' बनाए गए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि चंपत राय के इस्तीफे का केवल प्रचार किया गया, जबकि वास्तविक इस्तीफा सामने नहीं आया।शंकराचार्य की जनजागरण यात्रा रुदौली से मिल्कीपुर, बीकापुर, गोसाईगंज होते हुए अयोध्या विधानसभा क्षेत्र तक जाएगी।

सील के कुछ घंटे बाद ही फिर शुरू हुआ निर्माण, एमवीडीए की कार्यवाही पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा गुरुवार को गोवर्धन के जतीपुरा रोड स्थित हरेकृष्णा रेजीडेंसी नामक अवैध कॉलोनी को सील किए जाने के कुछ ही घंटे बाद वहां दोबारा निर्माण कार्य शुरू होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद एमवीडीए की कार्यवाही और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार प्राधिकरण की टीम गुरुवार दोपहर में सीलिंग की कार्यवाही कर लौट गई थी। इसके कुछ समय बाद ही कॉलोनी में मजदूरों ने निर्माण कार्य फिर से शुरू कर दिया गया।वायरल वीडियो में निर्माण कार्य होता हुआ दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि जतीपुरा परिक्रमा मार्ग स्थित केला देवी मंदिर के पास हरेकृष्णा रेजीडेंसी के नाम से बिना एमवीडीए से स्वीकृत मानचित्र के कॉलोनी विकसित की जा रही थी। जिस के चलते प्राधिकरण ने गुरुवार को कॉलोनी को सील किया था। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों का कहना है कि यदि सील की गई कॉलोनी में दोबारा निर्माण हो रहा है तो यह विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। साथ ही यह भी चर्चा है कि आखिर किसके संरक्षण में सील के बावजूद निर्माण कार्य कराया गया।वही इस संबंध में एमवीडीए जेई अनिल सिंघल का कहना है कि वायरल वीडियो की जांच कराई जा रही है। यदि सील तोड़कर निर्माण कार्य किए जाने की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही सील को दोबारा मजबूत कर मौके पर निगरानी भी बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना के तहत किसानों को मिलेगा अनुदान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना (राज्य सेक्टर) के तहत जनपद के किसानों को विभिन्न उद्यानिकी योजनाओं पर अनुदान का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए भनवापुर, मिठवल, बढ़नी और लोटन विकास खंडों में शंकर शाकभाजी, फल क्षेत्र विस्तार, घेरबाड़ एवं मशीनीकरण योजनाओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू कर दिया गया है।

जिला उद्यान अधिकारी विमल कान्त ने बताया कि इच्छुक किसान विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन के बाद उसकी प्रति के साथ आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी, पासपोर्ट आकार का फोटो और मोबाइल नंबर कार्यालय में जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि योजनाओं का लाभ निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर दिया जाएगा।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के किसानों के लिए जाति प्रमाणपत्र तथा सभी आवेदकों के लिए खतौनी की प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। जिला उद्यान अधिकारी ने पात्र किसानों से समय रहते ऑनलाइन पंजीकरण कराने की अपील की है।

बागेश्वर से बागेश्वर गिरेछीना से दिल्ली के लिए रोडबेज सेवा संचालित करने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। अमस्यारीकोट जौलकांडे, डोबा धारी क्षेत्र के ग्रामीणों ने बागेश्वर गिरेछिना मोटर मार्ग से सोमेश्वर होते हुए दिल्ली के लिए नियमित रोडवेज बस का संचालन करने की मांग की है।क्षेत्रीय लोगों ने जौल कांडे के पूर्व प्रधान दरवान सिंह बिष्ट के नेतृत्व में जिलाधिकारी को गिरेछिना मार्ग से दिल्ली को बस सेवा शुरू कराए जाने की मांग का ज्ञापन दिया।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासी लम्बे समय से शासन प्रशासन से बस सेवा1शुरू करने की मांग कर रहे हैं। उसके बाद भी अब तक रोडवेज डिपो से मार्ग में बस सेवा संचालित नही किए जाने पर लोगों में नाराजगी है। क्षेत्रीय लोगों ने अब रोडवेज बस संचालन हेतु जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र मोटर मार्ग में परिवहन निगम से नियमित दिल्ली के बस सेवा संचालित कराए जाने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने कहा कि बस सेवा शुरू करने से क्षेत्र के सैकड़ो लोगों को इसका लाभ मिलेगा। साथ ही सरकार को राजस्व भी अर्जित होगा।

उन्होंने ज्ञापन में कहा कि क्षेत्र में दो जिले दो विधानसभा, चार जिला पंचायत, आठ श्रेत्र पंचायत, व लगभग चालीस,, ग्राम पंचायते लाभान्वित होंगी। वही जिलाधिकारी ने आवश्यक सहयोग का भरोसा देते हुए शीघ्र सड़क पर तकनीकी जांच और परिवहन विभाग से बस संचालित करने की स्वीकृति मिलने के बाद बागेश्वर डिपो के अधिकारियों से वार्ता कर जल्द सेवा संचालित करने का भरोसा दिया।इस दौरान ज्ञापन देने वालो में सामाजिक कार्यकर्ता जौलकांडे दरवान बिष्ट, अमरकोट प्रधान ज्योति देवी प्रधान, ग्राम प्रधान दर्शन प्रधान ग्राम पंचायत-सात कमला देवी, फल्याटी ग्राम प्रधानहेमा देवी, व धारी पंचायत प्रतिनिधि आदि मौजूद थे।

20 जुलाई को युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष के हापुड़ आगमन को लेकर भाजपा की योजना बैठक आयोजित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर रविवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित मिश्रा के 20 जुलाई को प्रस्तावित जनपद आगमन को लेकर एक महत्वपूर्ण योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय महामंत्री एवं जिला प्रवासी सचिन चौधरी ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का आगमन संगठन के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, इसलिए सभी कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ तैयारियों में जुटें।बैठक में भाजपा की जिला अध्यक्ष कविता मादरे भी उपस्थित रहीं। बैठक की अध्यक्षता भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष दीपक भाटी ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष मोहित पाल ने किया। बैठक के दौरान 20 जुलाई को डॉ. रोहित मिश्रा के स्वागत एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को स्वागत स्थल, कार्यक्रम व्यवस्था तथा संगठनात्मक जिम्मेदारियों से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष के जनपद आगमन पर भव्य एवं दिव्य स्वागत की व्यापक योजना तैयार की गई। बैठक में युवा मोर्चा एवं भाजपा के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

गर्भवती महिला के ऑपरेशन में लापरवाही का आरोप, डीएम से कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। थाना मुंडापांडे क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर निजी अस्पताल के संचालक, चिकित्सकों और कर्मचारियों पर प्रसव के दौरान गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। शिकायत में मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता रिजवान के अनुसार उनकी पत्नी रयाना उर्फ रेशमा को 7 जुलाई 2026 को प्रसव के लिए टोल टैक्स दलपतपुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल ऑपरेशन की बात कहकर ऑपरेशन किया, लेकिन इस दौरान चिकित्सकीय मानकों का पालन नहीं किया गया, जिससे महिला और नवजात की हालत गंभीर हो गई।

शिकायत में कहा गया है कि स्थिति बिगड़ने पर अस्पताल में उचित उपचार उपलब्ध नहीं कराया गया। बाद में महिला को अन्य अस्पतालों में ले जाया गया, जहां कई अस्पतालों ने भर्ती करने से इनकार कर दिया। अंततः उन्हें विवेकानंद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वर्तमान में मां और नवजात का उपचार चल रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि महिला की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है और आगे ऑपरेशन की आवश्यकता बताई गई है।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ शिकायत करने के बाद उन पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है तथा ऐसा न करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस संबंध में उन्होंने सुरक्षा की भी मांग की है। जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में शिकायतकर्ता ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराते हुए संबंधित अस्पताल संचालक, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

नोटः यह खबर शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए आरोपों पर आधारित है। मामले में संबंधित अस्पताल या चिकित्सकों का पक्ष सामने आने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

चकबन्दी प्रक्रिया वाले गाँव मे गजब तमाशा कोई मनमर्जी से करा रहा रोपाई तो कोई नही छोड रहा चकमार्ग

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। यू पी सरकार गावो मे विवाद शून्य करने की दृष्टि से चकबन्दी करा रही है। चकबन्दी अधिकारी के निर्देशन मे चकबन्दी लेखपाल व कानूनगो भी भीषण गर्मी मे जमकर पसीना बहा रहे है। लेकिन कुछ दुष्ट मष्तिष्क चकबन्दी कर्मियो की अनथक मेहनत तथा सरकार की विवाद शून्य की हितकारी योजना को जैसे सफल न होने देने की कसम खाकर बैठे है। लालगन्ज तहसील अन्तर्गत ग्राम पूरे निर्मल गिरधर प्रक्रिया अन्तर्गत है। जहां चकबन्दी अधिकारी अविनाश पाण्डेय के निर्देशन मे चकबन्दी लेखपाल सुनील चौहान व कानूनगो मान सिह ने भीषण गर्मी की परवाह किए बिना प्रक्रिया को लगभग पूरा किया जिससे किसान सन्तुष्ट भी दिखे किसानो को चकमार्ग नाली की भविष्य मे समस्या न हो उसके लिए चकबन्दी अधिकारी अविनाश पाण्डेय व उनके नायब चकबन्दी अधिकारी आनन्द कुमार ने लगभग सभी खेतो को रास्ते व नाली से जोडने का काम किया। जिसका शत प्रतिशत अनुपालन लेखपाल व कानूनगो ने किया। लेकिन वाह रे दुष्ट मष्तिष्क अभी धारा बावन हुई भी नही कि दुष्टो ने चकमार्गो पर कब्जा कर कही जुताई करा दी तो कही धान की रोपाई कर दी। दबंगई व दुष्टता का हाल यही तक सीमित न रहा अवधेश अशोक और बच्चा ने तो पैमाइस कर अन्य किसानो को दी गयी जमीन पर जबरन कब्जा कर धान की रोपाई यह कहते हुए करा दी कि यह जमीन हमारी है जबकि सच्चाई तो यह निकल कर आयी कि उपरोक्त जमीन गाटा संख्या 150 है जिसके मालिक भूमिधर किसान बलराज सहाय आदि है और अवधेश आदि कि जमीन गाटा सख्या 84 मे है जिसकी पैमाईस कर उन्हे चिह्नित भी करा दिया गया है। इस विषय मे चकबन्दी लेखपाल सुनील चौहान से बात किए जाने पर उन्होने बताया कि जबरन कब्जा करने वालो को मना किया गया तो उन लोगो ने कहा कि यह जमीन हमारी है हमने आपत्ति दी हुई है। जबकि आपत्ति देने वालो को नियमानुसार फैसले का इन्तजार करना चाहिए। ऐसी गुन्डागर्दी व दुष्टता से तो यही प्रतीत होता है कि सरकार गाव को विवाद शून्य की चाहे जितनी योजना बना ले। सरकार की योजना को शत प्रतिशत लागू करने को अधिकारी कर्मचारी चाहे जितना पसीना बहा ले। कुछ दुष्ट सारी मेहनत और योजनाओ को असफल करने मे कोई कमी न छोडेगे और सीधे सादे किसानो व ग्रामीणो को मानसिक रुप से परेशान करेगे। फील्ड मे लेखपाल, कानूनगो कमजोर कड़ी जो चाहे धमकाए- चकबन्दी प्रक्रिया मे एक बात देखने को मिली कि किसानो के चक का चाहे सर्वे हो या पैमाइस या हो निसानदेही जब अवैध कब्जे वाले लोग बाहर हो या चक मे बदलाव लोग लेखपाल कानूनगो को धमकाने गाली देने मे देर नही करते। लेकिन सब बर्दाश्त कर दोनो अधिकारी किसानो की राहे आसान बनाने मे कोई कोर कसर नही छोडते। सरकार को जहा चकबन्दी हो वहा लेखपाल कानूनगो की सुरक्षा का बेहतर उपाय करना चाहिए।उनके साथ सुरक्षाबल रखना होगा ताकि तत्काल प्रभावी एक्शन हो। तथा सरकार ऐसे दबगो को चिह्नित कर सख्त कानूनी कार्यवाही भी करे।

श्री कृष्ण जन्मभूमि जल्द ही अतिक्रमण मुक्त होगी ,गोपाल नारायण अग्रवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/मांट। एक टीवी चैनल के इंटरव्यू में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने कहा था कि श्री राम मंदिर के निर्माण में मुसलमानों ने भी चंदा दिया था किस मुस्लिम ने चंदा दिया था।

उसकी रसीद आप सार्वजनिक करें, श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास मथुरा के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी ने कहा कि सनातनी हिंदुओं में अभी धन संपत्ति की कमी नहीं है सनातनी हिंदू में बड़े-बड़े उद्योगपति है।

उनकी चंदा दान की रसीद दिखा दे और हम सभी साधु संत सनातनी हिंदू मुसलमानों का चंदा को लौटाने को तैयार हैं। वहीं श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के प्रदेश मंत्री गोपाल नारायण अग्रवाल ने कहा कि हम नहीं चाहते कि जो हमारे श्री राम से नफरत करते हो। जो हमारे धर्म से नफरत करते हो, जो सनातन हिंदुओं को काफिर समझते हो, उनका एक रुपया भी हम श्री राम मंदिर के निर्माण में नहीं लगाना चाहते, उन्होंने कहा कि हम सब सनातनी ,साधु संत भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि को मुक्त करने का कार्य करेंगे हम सभी साधु संत , हिंदू सनातनी , उस चंदा को लौटाने के लिए तैयार है।

कार्यकारणी के छह सदस्यों का हुआ निर्विरोध चुनाव

नौ पार्षदों ने किया था नामांकन, एक हुआ निरस्त, दो ने लिया नाम वापिस

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार की अध्यक्षता में जनमंच सभागार में हुई निगम बोर्ड की बैठक में आज कार्यकारणी के छह नये सदस्यों का चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुआ। महापौर डॉ. अजय कुमार ने वार्ड 70 के पार्षद महमूद हसन, वार्ड 57 के पार्षद फजलुर्रहमान, वार्ड 37 के पार्षद गौरव कपिल, वार्ड 34 के पार्षद सुधीर पंवार, वार्ड 29 के पार्षद दीपक रहेजा, और वार्ड 27 के पार्षद वीरसेन कुमार (सिद्धू) के निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा की और उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किये। निगम कार्यकारणी के छह सदस्यों राजेंद्र सिंह (कोहली), दिग्विजय सिंह, अनुज जैन, संजय सैनी, शबाना प्रवीन व फजलुर्रहमान का कार्यकाल समाप्त होने पर उक्त छह नये सदस्य चुने गए। फजलुर्रहमान लगातार दूसरी बार कार्यकारणी सदस्य चुने गए हैं। चुनाव अधिकारी /मुख्य नगर लेखा परीक्षक सच्चिदानंद त्रिपाठी, सहायक चुनाव अधिकारी/लेखाधिकारी मनोज त्रिपाठी की देखरेख में चुनाव संपन्न हुआ। जिलाधिकारी की ओर से सिटी मजिस्टेज्ट कुलदीप सिंह व एडीईओ मनोज कुमार सिंह पर्यवेक्षक के रुप में मौजूद रहे। सदन प्रभारी/सहायक नगरायुक्त जे पी यादव ने निर्धारित समय पर चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत की। कार्यकारणी सदस्यों के लिए नौ पार्षदों- महमूद हसन, फजलुर्रहमान, गौरव कपिल, सुधीर पंवार, दीपक रहेजा, वीरसेन कुमार, समीर, प्रवेज मलिक व दिग्विजय ने नामांकन दाखिल किये। नामांकन पत्रों की जांच के दौरान वार्ड 60 के पार्षद प्रवेज मलिक का नामांकन निरस्त कर दिया गया। बाद में पार्षदों के बीच चले लंबे विचार विमर्श के बाद वार्ड 31 के पार्षद समीर तथा वार्ड 48 के पार्षद दिग्विजय सिंह ने अपना नामांकन वापिस ले लिया। और अंततः उक्त छह सदस्यों का चुनाव निर्विरोध घोषित कर दिया गया। महापौर डॉ. अजय कुमार व नगरायुक्त शिपू गिरि ने निर्वाचित नये पार्षदों का माल्यार्पण व पुष्प भेंट कर स्वागत किया और मिष्ठान खिलाकर शुभकामनाएं दी। महापौर डॉ. अजय कुमार ने सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर निगम सहारनपुर प्रदेश का अकेला ऐसा नगर निगम है जहां कार्यकारणी सदस्यों के लिए कभी चुनाव नहीं हुआ। सभी पार्षद परस्पर संवाद, विश्वास और आपसी सहमति से सदस्यों का चुनाव करते रहे है। यह हमारी लोकतांत्रिक परिपक्वता, आपसी सौहार्द और गरिमा को बनाये रखते हुए शहर के विकास के प्रति संकल्प का परिचायक है। इस दौरान उपसभापति मयंक गर्ग, अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार सहित निगम के सभी अधिकारी मौजूद रहे।

सेमरियावां के दो छात्र हफसा और नोमान नीट में सफलः गांव का नाम किया रोशन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। नीट 2026 का रिजल्ट देर रात जारी हुआ।ब्लॉक मुख्याल की ग्राम पंचायत सेमरियावां के दो होनहार छात्र छात्रा ने बेहतर प्रदर्शन कर नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर गांव का नाम रोशन किया है। सेमरियावा निवासी अनवार आलम चौधरी की सुपुत्री हफसा अनवार ने नीट क्वालीफाई किया है।

नोमान अहमद पुत्र जुबेर अहमद ने भी पहले प्रयास में सफलता अर्जित किया है। हफ्सा अनवार ने 586नंबर और नोमान अहमद ने 580 नंबर स्कोर किया है।

हफ्सा और नोमान ने हाई स्कूल अलहुदा सेमरियावां से किया है। दोनों परिवार में खुशी व्याप्त है। हफसा और नोमान के पहले प्रयास में इस बड़ी सफलता पर मशहूर आलम चौधरी ,मो अहमद,मुनीर हसन चौधरी,शमशेर अहमद प्रधान, मुजीबुल्लाह प्रिंसिपल,जफीर अली करखी,एजाज अहमद करखी,अब्दुल अजीम नदवी,वसीम अहमद, फैजान अहमद, फुजेल अहमद नदवी,अब्दुल सत्तार,हाफिज एजाज मुनीर, फिरोज अहमद नदवी, मुजीबुर्रहमान कासमी,मुबारक हुसैन , अतहर करखी,मो परवेज अख्तर आदि ने इस बड़ी उपलब्धि पर दोनों छात्रों एवं परिवार के सदस्यों को बधाई दिया है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की महिला इकाई की तीजोत्सव के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा महानगर मुरादाबाद की महिला इकाई की तीजोत्सव के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता उषा शर्मा ने की व संचालन श्वेता शर्मा ने किया। इसमें 18 अगस्त 2026 को इस कार्यक्रम को उत्साह उल्लास प्रेम सद्भाव के साथ मनाया जाए। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। जिसमें प्रमुख रूप से अंताक्षरी हाउजी नृत्य आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाए तथा विजित प्रतियोगिओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किया जाए तथा कार्यक्रम के पश्चात भोजन की व्यवस्था भी की जाए। इस मौके पर रिचा शर्मा, ममता शर्मा, मीनू शर्मा, सपना चतुर्वेदी, शुभ्रा शंखधार, ममता शर्मा, दीपिका शर्मा आदि मौजूद रही।

सब्जी मंडी में प्लास्टिक कैरेट से भरी ट्रॉली में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे की नवीन सब्जी मंडी में शुक्रवार सुबह प्लास्टिक की कैरेट से भरी एक ट्रॉली में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे मंडी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटों और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दिया। आग लगने से सैकड़ों प्लास्टिक कैरेट जलकर राख हो गईं, जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है।

कस्बा निवासी शहजाद की ट्रॉली में मंडी कारोबारी सोनू की सैकड़ों प्लास्टिक कैरेट लदी हुई थीं। ट्रॉली मंडी परिसर में खड़ी थी। शुक्रवार सुबह अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रॉली में आग लग गई। प्लास्टिक का सामान होने के कारण आग तेजी से फैल गई और कुछ ही देर में पूरी ट्रॉली को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। आसपास के व्यापारियों ने भी आग बुझाने में सहयोग किया। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक ट्रॉली और उसमें रखी सैकड़ों प्लास्टिक कैरेट जलकर नष्ट हो चुकी थीं।

मंडी कारोबारी सोनू ने बताया कि उसका लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने आग लगने के कारणों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

धौलाना में नई एसडीएम कल्पना सिंह चौहान ने संभाला कार्यभार, लंबित मामलों के निस्तारण पर रहेगी नजर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। जनपद हापुड़ की धौलाना तहसील में नव नियुक्त उपजिलाधिकारी (एसडीएम) कल्पना सिंह चौहान ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके पदभार संभालने के साथ ही क्षेत्र में लंबित राजस्व मामलों, भूमि संबंधी शिकायतों तथा प्रशासनिक कार्यों के प्रभावी निस्तारण को लेकर लोगों की अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। धौलाना तहसील में भूमि विवाद, अवैध कब्जों और राजस्व से जुड़ी विभिन्न शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसे में नई एसडीएम के सामने लंबित प्रकरणों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों द्वारा भी समय-समय पर अवैध कब्जों, कथित भू-माफिया गतिविधियों तथा अन्य अनियमितताओं को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जाता रहा है। स्थानीय लोगों की भी अपेक्षा है कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।इसके अलावा धौलाना क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायतें भी समय-समय पर उठती रही हैं। ऐसे में प्रशासन की आगामी कार्रवाई और कानून-व्यवस्था को लेकर सभी की निगाहें नई एसडीएम के कार्यकाल पर रहेंगी।

जीपीए धनघटा इकाई की मासिक बैठक हुई संपन्न

पत्रकारों का पेन,पत्रकारिता की असल पहचानः रविकांत चतुर्वेदी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन धनघटा इकाई का मासिक बैठक तहसील सभागार धनघटा में सम्पन्न हुआ। जिसमे मुख्यातिथि के रूप में उपजिलाधिकारी धनघटा रविकांत चौबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता/विशिष्ट अतिथि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सौरभ कुमार त्रिपाठी ने किया।

उपजिलाधिकारी रविकांत चतुर्वेदी ने कहा पत्रकार शासन प्रशासन का एक अभिन्न अंग के रूप में कार्य करता हैं लेकिन कुछ फर्जी पत्रकारों की वजह से पत्रकारिता से आमजन का विश्वास हट रहा हैं जिसको रोकने के लिए पत्रकारों को स्वयं सामने आना होगा। उपजिलाधिकारी रविकांत चतुर्वेदी ने थाना प्रभारी धनघटा को पत्र लिख,जिसमे हर माह में पत्रकारों के साथ एक बैठक हो और उस बैठक में किसी प्रकार की समस्याओ का निराकरण किया जा सके। उपजिलाधिकारी रविकांत चतुर्वेदी द्वारा पत्रकारो को एक एक पेन उपहार स्वरूप देने का कार्य किया गया,और कहा की पत्रकारों का असल हथियार उनका पेन होता हैं जिससे की वह समाज हित, जनहित की क्रियाकलापों को अपने कलम के माध्यम से उकेरने का कार्य करते हैं। विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी द्वारा उपजिलाधिकारी रविकांत चतुर्वेदी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया उपजिलाधिकारी रविकांत चतुर्वेदी का स्थानांतरण बुलंदशहर होने पर उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस बैठक में मुख्यरूप से तहसील अध्यक्ष अश्वनी पाण्डेय,विनोद दूबे,अकरम खान,सुनील राय, अकील अहमद,सुदर्शन तिवारी,बृजेश त्रिपाठी समेत ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

जर्जर सड़क और जलभराव से परेशान मोहल्लावासियों का प्रदर्शन, सड़क निर्माण की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान के दर्जनों महिला-पुरुषों ने जर्जर सड़क, टूटी नालियों और जलभराव की समस्या को लेकर प्रदर्शन किया। लोगों ने नगर पालिका से जल्द सड़क निर्माण और नालियों की मरम्मत कराए जाने की मांग की।

शुक्रवार को कस्बे के मोहल्ला रायजादगान में प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना कि मोहल्ले की सड़क वर्षों से जर्जर हालत में पड़ी है। नालियां भी टूटी हुई हैं, जिससे पानी की निकासी नहीं हो पाती। बरसात के दौरान जलभराव होने से घरों तक पानी पहुंच जाता है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मोहल्लावासियों ने आरोप लगाया कि इस संबंध में कई बार पालिका अध्यक्ष और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

समस्या के समाधान में हो रही देरी को लेकर महिला व पुरुषों ने प्रदर्शन कर सड़क बनवाई जाने की मांग की है। सभासद पति अनिल बोहरा ने बताया कि सड़क निर्माण का प्रस्ताव पहले ही भेजा जा चुका है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

अनियंत्रित होकर खाई में पलटा ट्रक, महिला और एक वर्षीय मासूम घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर मार्ग स्थित एलम बाईपास के पास एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में ट्रक में सवार एक महिला और उसका एक वर्षीय मासूम पुत्र घायल हो गए।

दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं, हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

थाना क्षेत्र के गांव सल्फा निवासी महिला सलमा पत्नी गुलफाम अपने एक वर्षीय पुत्र फरहान के साथ गाजियाबाद के कस्बा लोनी स्थित रिश्तेदारी से वापस घर लौट रही थीं। रास्ते में उन्होंने एक ट्रक चालक से लिफ्ट मांगी और ट्रक में सवार हो गईं। जैसे ही ट्रक दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर एलम बाईपास के निकट पहुंचा, चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सड़क किनारे खाई में पलट गया।

हादसे में महिला और उसका मासूम पुत्र फरहान घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों को बाहर निकालकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। समाचार लिखे जाने तक ट्रक चालक और मालिक का पता नहीं चल सका था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

25,000/- का इनामी और गैंगस्टर एक्ट में वांछित शातिर अभियुक्त अभिषेक अग्रहरि गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। दुधारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर छापा मारकर 25,000/- का इनामी और गैंगस्टर एक्ट में वांछित शातिर अभियुक्त अभिषेक अग्रहरि को नौवागांव पेट्रोल पंप के आगे स्थित बाग के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा मय हमराह पुलिस टीम उ0नि0 सतीश तिवारी, हे0का0 जयचन्द्र कनौजिया, रि0का0 विजय प्रताप व चालक का0 राजा सिंह के साथ सरकारी वाहन सं० UP58G0223 से क्षेत्र में वांछित अपराधियों की तलाश में मामूर थे। इसी दौरान मुखबिर खास के जरिए दूरभाष पर सूचना प्राप्त हुई कि खलीलाबाद गैंगस्टर एक्ट का इनामी अभियुक्त कहीं भागने की फिराक में नौवागांव बाग के पास खड़ा है। सूचना को अत्यंत गंभीर मानते हुए थानाध्यक्ष दुधारा द्वारा तत्काल अन्य पुलिस कर्मियों (हे0का0 मोती लाल यादव, हे0का0 राघवेन्द्र सिंह, का0 रंजन राजभर) को तलब किया गया। पुलिस टीम ने नौवागांव पेट्रोल पंप के आगे स्थित बाग के पास सरकारी गाड़ी को छुपाकर खड़ा किया और मुखबिर के इशारे पर जैसे ही अभियुक्त की तरफ बढ़े, पुलिस को देखकर अभियुक्त 25,000/- का इनामी एवं गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त अभिषेक अग्रहरि पुत्र धर्मेन्द्र अग्रहरि निवासीः ग्राम गुदी, थाना मुण्डेरवा, जनपद बस्ती सकपका कर भागने लगा। पुलिस टीम द्वारा हिकमत अमली से घेराबंदी करते हुए करीब 100 कदम की दूरी पर पुख्ता सड़क पर समय करीब 06:15 बजे अभियुक्त को धर दबोचा।

थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा ने बताया कि मु0अ0सं0 62/2026 धारा 2(b)(ii), 3(1) उ0प्र0 गिरोह बन्द एवं समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधिनियम 1986 (गैंगस्टर एक्ट) थाना कोतवाली खलीलाबाद से सम्बन्धित 25,000/- के इनामी/वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि अभियुक्त को उसकी गिरफ्तारी का कारण बताते हुए बकायदा बाजफ्ता पुलिस हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं माननीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निदेशों व प्रावधानों का अक्षरशः पालन किया गया है। अभियुक्त की गिरफ्तारी की सूचना उसके द्वारा बताए गए मोबाइल नंबर (9935005234) के माध्यम से उसके बड़े पिता झिनकान अग्रहरि को दे दी गई है। अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

सरेराह दबंगई एक युवक पर बरसाई लाठी डंडे व बैल्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के रेलवे मार्ग पर एक इंटर कॉलेज के समीप आधा दर्जन से अधिक युवकों ने सरेराह एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया। शोर-शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। शुक्रवार को कस्बे के रेलवे मार्ग स्थित इंटर कॉलेज के समीप प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आधा दर्जन से अधिक युवक हाथों में डंडे लेकर पहुंचे और सड़क से गुजर रहे एक युवक पर अचानक हमला बोल दिया। युवक ने खुद को बचाने का प्रयास किया, लेकिन मारपीट में वह घायल हो गया। घटना के दौरान आसपास के दुकानदार मौके की ओर दौड़े, जिन्हें आता देख हमलावर फरार हो गए।स्थानीय लोगों का कहना है कि मारपीट करने वाले युवक किसी स्कूल के छात्र प्रतीत हो रहे थे।

मारपीट में घायल युवक की पहचान गांव जसाला निवासी विशेष के रूप में हुई है। और न ही हमलावरों की पहचान हो सकी। आशंका जताई जा रही है कि किसी पुरानी रंजिश के चलते यह हमला किया गया।गौरतलब है कि दो दिन पूर्व भी पूर्वी यमुना नहर पटरी पर कुछ युवकों द्वारा दबंगई दिखाते हुए मारपीट की घटना सामने आई थी। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अमर वीर शहीद दाताराम की 27 वीं शहादत दिवस उनको किया गया याद दी गई श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

खुर्जा (बुलंदशहर)। कारगिल युद्ध के अमर वीर शहीद दाताराम की 27वीं शहादत दिवस पर शहीद दाताराम सेवादल, नई दिल्ली द्वारा वीर बलिदान भूमि, शहीद दाताराम नगर, धराऊं (खुर्जा) में आयोजित राष्ट्रीय श्रद्धांजलि समारोह राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और साहित्यिक चेतना का भव्य संगम बन गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए साहित्यकारों, पूर्व सैनिकों, किसान नेताओं, समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया।

समारोह के मुख्य अतिथि एवं मुकेश मासूम फाउंडेशन के चेयरमैन मुकेश कुमार मासूम का आयोजकों द्वारा पारंपरिक पगड़ी, शॉल एवं पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। उपस्थित जनसमूह ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रख्यात बॉलीवुड राइटर एवं गीतकार मुकेश कुमार मासूम ने अपने चर्चित भावपूर्ण गीत 'मेनू हँसके विदा कर दे' की प्रस्तुति दी। गीत की मार्मिक भावनाओं और मधुर प्रस्तुति ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। पूरा पंडाल देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा और उपस्थित लोगों ने खड़े होकर उनका उत्साहवर्धन किया।

अपने संबोधन में मुकेश कुमार मासूम ने कहा कि 'शहीदों का सम्मान केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय का आजीवन कर्तव्य है। राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता। नई पीढ़ी को उनके त्याग, साहस और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर भारत को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए।' कार्यक्रम के विशेष अतिथि विजय चौधरी ने भी राष्ट्रभक्ति, सामाजिक सद्भाव और जनसेवा पर अपने विचार रखे।

समारोह की अध्यक्षता स्वामी कृष्ण कुमार ने की, जबकि कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन श्री चंद नादान जी ने किया। कार्यक्रम के सफल संयोजन में कैलाश भागमल प्रधान एवं डॉ. चंद्रमणि ब्रह्मदत्त की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण को समर्पित एक विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें 150 महिलाओं एवं वरिष्ठ समाजसेवियों को साड़ी, शॉल और स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह ने उपस्थित जनसमूह को सेवा और सम्मान की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित अनेक राज्यों से आए कवियों ने राष्ट्रभक्ति, वीरता और सामाजिक चेतना से ओत-प्रोत काव्य पाठ कर वातावरण को ओजस्वी बना दिया। कवि सम्मेलन में सुनील कुमार हापुरिया, प्रेमचंद, प्रेम शर्मा, गुंजन भाटी, अभिषेक मिश्रा, श्रीराम गौतम एवं दर्शन गौतम सहित अनेक प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं। समारोह में पूर्व सैनिक सूबेदार स्वरूप सिंह, राजवीर सिंह, जगपाल सिंह, कैप्टन मान सिंह, सूबेदार धर्मवीर सिंह, सूबेदार अमरपाल सिंह, हवलदार विनोद चौहान, सतीश जादौन तथा कैप्टन दिनेश कुमार राघव सहित अनेक वीर सैनिकों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर किसान नेता भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के राष्ट्रीय वरिष्ठ

उपाध्यक्ष चौधरी मांगेराम त्यागी तथा भाकियू (अराजनैतिक) के जिला अध्यक्ष ठाकुर शैलेंद्र आर्य सहित अनेक सामाजिक, साहित्यिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी शहीद दाताराम जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'अमर शहीद दाताराम अमर रहें' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। राष्ट्रभक्ति, साहित्य, समाजसेवा और शहीद सम्मान का यह भव्य आयोजन उपस्थित जनसमूह के लिए लंबे समय तक स्मरणीय रहेगा।

शहीद दाताराम सेवा दल के संस्थापक डॉ. चंद्रमणि ब्रह्मदत्त और अध्यक्ष कैलाश भागमल गौतम के अथक प्रयासों से यह अद्भुत कार्यक्रम सफल रहा। विगत 27 सालों से डॉ. चन्द्रमणि ब्रह्मदत्त और कैलाश भागमल गौतम इस शानदार कार्यक्रम का आयोजन करते चले आ रहे हैं।

बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चैयरमेन ने यूपीएससी वैज्ञानिक (ग्रेड -ए) में चयन होने पर अंजलि को मिठाई खिलाकर दी बधाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। खुर्जा क्षेत्र में नेहरूपुर निवासी विनोद कुमार की पुत्री कुमारी अंजली आईआईटी कानपुर से पीएचडी साइंटिस्ट कर रही जिनका यूपीएससी के वैज्ञानिक (ग्रेड- ए) में चयन हुआ जो कानपुर से बुलंदशहर ट्रेन द्वारा पहुंची, जहां पुलिस प्रोटोकॉल के साथ रेलवे स्टेशन से घर तक नगर में फूलमाला पहनाकर लोगों ने किया जोरदार स्वागत। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चैयरमेन शिवकिशोर गौड़ द्वारा कार्यालय पर वैज्ञानिक अंजली को मिठाई खिलाकर दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। नेहरूपुर स्थित घर पर फीता काटकर प्रवेश किया, जिसमें शिक्षक सतेंद्र कुमार, पूनम कुमारी एडवोकेट शैलेंद्र कुमार सहित अनेक लोगों ने पुष्प वर्षा की, आसपास के लोगों को मिठाई खिलाकर खुशियां बांटी, नगर के लोगों द्वारा बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। कुमारी अंजली वैज्ञानिक द्वारा बताया गया कि माता-पिता एवं शिक्षकों के सहयोग से वह आज इस मुकाम पर पहुंची है सभी का धन्यवाद अदा करती हूं तथा अन्य युवा लड़कियों एवं लड़कों को भी इस तरह ही मेहनत कर परीक्षा पास करने के लिए प्रेरित करती हूं जो अपने जिले ही नहीं देश का भी नाम रोशन करें। जिसमें अनेक शिक्षक, नेता, वकील, डॉक्टर शामिल रहे जिन्होंने अंजलि को वैज्ञानिक बनने पर यूपीएससी की परीक्षा पास करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

'बिजली बंद, सांसें भी खतरे में?': बरेली के ट्यूलिप ग्रांड अपार्टमेंट में बीमार बुजुर्ग दंपति ने लगाई न्याय की गुहार

70 वर्षीय हृदय रोगी और 65 वर्षीय पत्नी का आरोप- किराया देने के बावजूद बिजली नहीं, एसएसपी से हस्तक्षेप की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। शहर के ट्यूलिप ग्रांड अपार्टमेंट से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने आवासीय सोसायटियों में रहने वाले बुजुर्गों की सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 65 वर्षीय महिला और उनके 70 वर्षीय हृदय रोगी पति ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायत देकर आरोप लगाया है कि किराया और सोसायटी से जुड़े भुगतान करने के बावजूद उनके फ्लैट की बिजली बहाल नहीं की जा रही, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ गया है।

शिकायत के अनुसार, वृद्ध पति हृदय रोग से पीड़ित हैं और उनका एक पैर भी काटा जा चुका है। चिकित्सकों ने उन्हें ठंडे और सामान्य तापमान वाले वातावरण में रहने की सलाह दी है, लेकिन बिजली न होने के कारण वे भीषण गर्मी में रहने को मजबूर हैं। परिवार का कहना है कि ऐसी स्थिति उनके स्वास्थ्य के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।

प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

बुजुर्ग दंपति ने पुलिस और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोनों पक्षों को सुना जाए और यदि आरोप सही पाए जाएं तो बिना देरी बिजली आपूर्ति बहाल कर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी बुजुर्ग या गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े।

'रीचार्ज नहीं कराया, अंधेरे में छोड़ दिया'

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 16 जुलाई को बिजली रीचार्ज न होने के कारण आपूर्ति बंद हो गई। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद कुछ समय के लिए बिजली चालू कराई गई, लेकिन बाद में फिर रीचार्ज नहीं कराया गया। आरोप है कि बार-बार अनुरोध के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिससे बुजुर्ग दंपति मानसिक और शारीरिक पीड़ा झेल रहे हैं।

क्या यह सिर्फ संपत्ति विवाद है या मानवाधिकार का सवाल?

बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं किसी भी नागरिक के सम्मानजनक जीवन का आधार हैं। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं, तो मामला केवल मकान मालिक और किरायेदार के बीच का विवाद नहीं रहेगा, बल्कि गंभीर रूप से बीमार और बुजुर्ग नागरिकों को आवश्यक सुविधाओं से वंचित किए जाने का संवेदनशील प्रश्न बन जाएगा।

बड़ा सवाल

क्या किसी भी निजी विवाद के बीच बिजली जैसी जीवनरक्षक सुविधा रोकी जा सकती है, खासकर तब जब मामला गंभीर रूप से बीमार बुजुर्ग दंपति का हो? अब इस सवाल का जवाब प्रशासन की कार्रवाई तय करेगी।

मृदुल वृन्दावन धाम में नव-दिवसीय श्रीगुरू पूर्णिमा महोत्सव 21 से जुलाई से

वेलकम इंडिया संवाददाता

वृन्दावन। छटीकरा रोड़ स्थित मृदुल वृन्दावन धाम में द भागवत मिशन फाउंडेशन के द्वारा नव-दिवसीय श्रीगुरू पूर्णिमा महोत्सव एवं पूज्य सद्गुरुदेव जन्मोत्सव 21 से 29 जुलाई 2026 पर्यंत विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया जा रहा है।

जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि श्री हरिदासी वैष्णव संप्रदायाचार्य विश्वविख्यात भागवत प्रवक्ता आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण महाराज के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में 21 से 27 जुलाई पर्यंत अपराह्न 03 से सायं 07 बजे तक ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के सेवाधिकारी, भागवत रत्न गोस्वामी आचार्य मृदुल कृष्ण महाराज अपने श्रीमुख से भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत की कथा श्रवण

कराएंगे। इसके अलावा 28 जुलाई को प्रातः 08 बजे से गुरुदीक्षा समारोह होगा।

इसके अलावा सायं 05 बजे से अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भागवत प्रवक्ता आचार्य गौरव कृष्ण गोस्वामी महाराज के सानिध्य में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं दिव्य प्रस्तुतियां आयोजित होगी। डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि 29 जुलाई को प्रातः 08 बजे से गुरु कृपा महोत्सव आयोजित होगा।

जिसके अंतर्गत गुरु पूजन, आशीर्वाद एवं प्रसाद वितरण आदि के आयोजन सम्पन्न होंगे।

सोमवार से होगी बडे.बकायादारों की सम्पत्ति सील

निगम की राजस्व टीम ने बीस बडे.बकायादारों से वसूले साढे.नौ लाख

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर निगम के राजस्व विभाग ने शहर में व्यवसायिक प्रतिष्ठान वाले बडे. बकायादारों से वसूली का अभियान चलाया। बीस बडे. बकायादारों से करीब साढे.नौ लाख की वसूली की गयी। सोमवार से बडे.बकायादारों की सम्पत्ति सील की कार्रवाई शुरू की जायेगी।

नगरायुक्त के निर्देश पर राजस्व विभाग द्वारा वसूली के लिए तीन टीमों का गठन कर अभियान शुरू किया गया। कर अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि व्यवसायिक सम्पति के जिन बकायादारों को गत वर्ष बकाया बिल व नोटिस प्राप्त कराये गए थे लेकिन उनके द्वारा निगम का गृहकर/जलकर जमा नहीं कराया गया है ऐसे बकायादारों से वसूली के लिए अभियान चलाया गया। कर अधीक्षक सुधीर शर्मा के नेतृत्व में कोर्ट रोड पर बडे.बकायादारों की सम्पत्ति सील करने के लिए जब राजस्व विभाग की टीम पहुंची तो बकायादारों में खलबली मच गयी। चार बडे.बकायादारों पर करीब आठ लाख रुपये बकाया था, जिसके सापेक्ष तीन लाख जमा कराते हुए शेष बकाया एक माह में जमा कराने का आश्वासन बकायादारों ने दिया है।

सीटीओ संगीता गुप्ता तथा कर अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के नेतृत्व में दूसरी टीम ने वार्ड 16 दिल्ली रोड पर चार बकायादारों के प्रतिष्ठान सील करने की कार्रवाई शुरू की तो उन्होंने दो लाख 80 हजार रुपये जमा कराते हुए शेष राशि एक सप्ताह में जमा कराने का आश्वासन अधिकारियों को दिया। इन बकायादारों की ओर करीब 14 लाख रुपये बकाया थे। इसके अलावा वार्ड 24 में घंटाघर के निकट भी चार बकायादारों ने करीब साढे.आठ लाख के बकाया के सापेक्ष दो लाख 62 रुपये तत्काल मौके पर जमा कराये और शेष राशि शीघ्र जमा कराने का वायदा अधिकारियों से किया। कार्यवाहक कर अधीक्षक मनीष चौहान के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने भी एक लाख रुपये की वसूली की। वसूली टीम में राजस्व निरीक्षक सुशील, जीशान, अंशुल के अलावा सुरक्षा अधिकारी हरिप्रकाश कसाना व प्रवर्तन दल के जवान शामिल रहे।

पोक्सो का आरोपी दोबारा नाबालिग को लेकर हुआ फरार, कप्तान के हस्तक्षेप के बाद दर्ज हुआ मुकदमा

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ पोक्सो एक्ट का एक आरोपी जमानत पर बाहर आने के बाद दोबारा एक नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले गया। गंभीर बात यह है कि पुलिस ने कप्तान के सख्त आदेश के बाद करीब दो महीने की देरी से रिपोर्ट दर्ज की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जहांगीराबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि उसकी नाबालिग पुत्री को कोतवाली देहात बुलंदशहर निवासी एक युवक ने 20 मई 2026 की शाम करीब छह बजे बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। पीड़ित पिता ने बताया कि आरोपी आदतन अपराधी है। इससे पूर्व वर्ष 2025 में भी यही आरोपी उसकी बेटी को भगा ले गया था, जिसके चलते उसके खिलाफ जहांगीराबाद थाने में अपहरण और पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी कुछ समय पूर्व ही उस मामले में जमानत पर जेल से बाहर आया था और दोबारा इस घटना को अंजाम डे डाला। पीड़ित पिता का आरोप है कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने स्थानीय थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बेटी की बरामदगी की गुहार लगाई थी, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। स्थानीय स्तर पर सुनवाई न होने से परेशान पिता ने अंततः वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से संपर्क किया। कप्तान के सख्त हस्तक्षेप और आदेश के बाद पुलिस हरकत में आई और घटना के करीब दो महीने बाद अब एफआईआर दर्ज की गई है। फिलहाल पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि किशोरी की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस मामले की गहन जांच-पड़ताल में जुटी है। इस घटना ने क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म कर दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि जमानत पर बाहर आने के बाद आरोपी ने दोबारा उसी पीड़ित परिवार को निशाना कैसे बनाया और पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद भी कार्रवाई में दो महीने की देरी क्यों की।

प्रधानमंत्री हस्तशेप कर जौहर विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को ध्वस्तीकरण से बचाएँ: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। पीडीए भवन, कटघरा (जौनपुर) से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व विधायक जौनपुर सदर एवं अंबेडकर विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया है कि वे व्यक्तिगत हस्तक्षेप करते हुए रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को ध्वस्त किए जाने की प्रस्तावित कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने हेतु आवश्यक कदम उठाएँ।

खान ने कहा कि जौहर विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक परिसर नहीं, बल्कि हजारों विद्यार्थियों के सपनों, उच्च शिक्षा, शोध और सामाजिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे संस्थानों का संरक्षण और सुदृढ़ीकरण किसी भी लोकतांत्रिक एवं प्रगतिशील समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

शिक्षा राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त आधार है, इसलिए किसी भी शैक्षणिक संस्थान को नुकसान पहुँचाने से पहले उसके व्यापक सामाजिक, शैक्षिक और राष्ट्रीय प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यदि विश्वविद्यालय से संबंधित कोई कानूनी अथवा प्रशासनिक विवाद लंबित हैं, तो उनका समाधान संविधान और विधि द्वारा निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप किया जाना चाहिए।

किसी भी परिस्थिति में ऐसा कदम नहीं उठाया जाना चाहिए जिससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो या हजारों विद्यार्थियों का भविष्य अनिश्चितता के संकट में पड़ जाए। मोहम्मद अरशद खान ने केंद्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार से अपील की कि जौहर विश्वविद्यालय प्रकरण का ऐसा न्यायोचित एवं संतुलित समाधान निकाला जाए, जिससे एक ओर कानून का सम्मान अक्षुण्ण रहे और दूसरी ओर शिक्षा जगत तथा विद्यार्थियों के हितों की भी पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित हो।

उन्होंने देश के शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिक समाज से भी आह्वान किया कि वे शिक्षा संस्थानों के संरक्षण और विद्यार्थियों के भविष्य की रक्षा के पक्ष में सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका निभाएँ।

अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विषय की गंभीरता, संवेदनशीलता और दूरगामी प्रभावों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक हस्तक्षेप करेंगे तथा ऐसा निर्णय सुनिश्चित करेंगे, जिससे विद्यार्थियों के हित, शिक्षा व्यवस्था की गरिमा और व्यापक जनहित सुरक्षित रह सके।

डिबाई में निकाली गई भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई। डिबाई नगर में बडे ही हर्षोल्लास के साथ निकाली गई भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं महारानी सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्तगण भगवान श्री जगन्नाथ जी महिमामंडित करते हुए हरे कृष्ण हरे कृष्ण के भजनों पर थिरकते हुए भगवान श्री जगन्नाथ की पालकी को लेकर आगे बढ रहे थे इसी दौरान भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा की दर्जनों जगह फूल बर्षा के साथ-साथ पूजा अर्चना भी गई भगवान श्री जगन्नाथ महादेव चौराहे के हरे कृष्ण सेंटर से शाम लगभग 4 बजे प्रारंभ हुई जो महादेव चौराहे से पैंठ चौराहे होती हुई मंडी गेट से होकर श्रीमान पधारिए आदि स्थानों से होती हुई हरे कृष्ण सेंटर पर देर शाम सम्पन्न हुई रथ यात्रा के सम्पन्न होने के बाद भगवान श्री जगन्नाथ की लीला कथा का गुणगान किया गया उसके बाद भगवान श्री जगन्नाथ जी की आरती छप्पन भोग प्रसाद के साथ की गई रथ यात्रा के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से डिबाई कोतवाली पुलिस के दर्जनों जबान पूरी मुस्तैदी के साथ रथ यात्रा के साथ रहे।

श्री आदित्य नारायण सिंह पब्लिक स्कूल चोलापुर के मेधावी छात्र शशांक सिंह ग्राम तेवर, ने NEET UG 2026 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी मिजार्मुराद। चोलापुर श्री आदित्य नारायण सिंह पब्लिक स्कूल चोलापुर वाराणसी के मेधावी छात्र शशांक सिंह, ग्राम तेवर, चोलापुर, वाराणसी ने NEET UG 2026 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक (AIR) 23 919 तथा जनरल ईडब्ल्यूएस (General-EWS) श्रेणी में 2837 वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालय एवं परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है जब देशभर में NEET UG 2026 के परिणाम घोषित किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि शशांक सिंह ने श्री आदित्य नारायण सिंह पब्लिक स्कूल से कक्षा 12वीं की परीक्षा वर्ष 2024 में अच्छे अंक से उत्तीर्ण किया था एवं पिछले वर्ष 2025 के आयोजित नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त कर बीएएमएस (BAMS) पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था तथा वर्तमान में बरेली से अध्ययनरत हैं। इसके बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर समर्पण, कड़ी मेहनत और अथक प्रयास जारी रखा तथा इस वर्ष पुनः परीक्षा देकर एमबीबीएस के लिए उत्कृष्ट रैंक प्राप्त की। शशांक की यह सफलता उनके दृढ़ संकल्प, कठिन परिश्रम तथा परिवार और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रेरणादायक उदाहरण है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार का, बल्कि पूरे विद्यालय का गौरव बढ़ा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह ने शशांक सिंह को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि शशांक की यह उपलब्धि विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। हमें गर्व है कि शशांक सिंह हमारे विद्यालय के 7वें छात्र हैं, जिन्होंने एमबीबीएस की दिशा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है। शशांक सिंह को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं अनंत बधाई।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत मोदीनगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का लोकार्पण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित मोदीनगर रेलवे स्टेशन का लोकार्पण शुक्रवार को भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित प्रवेश द्वार पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों एवं क्षेत्रवासियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बागपत लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान रहे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे तेजी से आधुनिक स्वरूप ग्रहण कर रही है। रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

समारोह के दौरान मोदीनगर रेलवे स्टेशन पर विकसित आधुनिक यात्री सुविधाओं का लोकार्पण किया गया। उपस्थित अतिथियों ने स्टेशन परिसर का निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में रेलवे अधिकारियों ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों का विवरण भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू सिवाच, राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह, अमरजीत सिंह बीड्डी, राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष (सहकारिता प्रकोष्ठ) सुचेता सिंह, डॉ. पवन सिंघल, पूर्व मंत्री रामकिशोर अग्रवाल, आकाश शर्मा, विजय वाल्मीकि मनोज त्यागी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, रेलवे अधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का अवलोकन किया और इसे मोदीनगर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों तथा रेलवे अधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर क्षेत्रवासियों ने रेलवे प्रशासन और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे मोदीनगर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

डॉ के एन मोदी कॉलेज को मिला जिले में पहला स्थान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिक्षा के क्षेत्र में डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश सरकार की पहचान पोर्टल द्वारा जारी नवीनतम मूल्यांकन में विद्यालय में प्रदेश के 28529 स्कूलों के बीच 80वां स्थान प्राप्त किया है उधर जिले के 240 स्कूलों में से पहले स्थान हासिल कर विद्यालय ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता में उपलब्धि हासिल की है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विद्यालय को ए ग्रेड प्रदान किया गया है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि पहचान पोर्टल पर स्कूल का मूल्यांकन शैक्षणिक गुणवत्ता आधारभूत सुविधाओं शिक्षण प्रशिक्षण व्यवस्था ,छात्र विकास और अन्य मानकों के आधार पर किया जाता है इन सभी बिंदुओं पर विद्यालय का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है जिसके चलते विद्यालय प्रदेश के शीर्ष स्कूलों की सूची में शामिल है इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के अध्यक्ष के डॉ डी के मोदी जी के कुशल नेतृत्व दूरदर्शी सोच और शिक्षा के प्रति समर्पण का नतीजा है। विद्यालय के प्रबंधक श्री संदीप कुमार यादव का कहना है कि यह उपलब्धि प्रधानाचार्य और शिक्षकों की निष्ठा ,छात्रों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। टीम भावना के बेहतर शैक्षणिक वातावरण के कारण ही विद्यालय प्रदेश स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। विद्यालय में लगभग 20 कक्षाओं में स्मार्ट पैनल लगे हुए हैं। छात्र नामांकन की दृष्टि से भी विद्यालय प्रदेश में महत्वपूर्ण स्थान पर है।बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम भी 95% से ऊपर रहता है। प्रधानाचार्य ने बताया कि सीमित संसाधनों के बीच विद्यालय में आधारभूत सुविधाओं में भी वृद्धि हो रही है।

मुख्यमंत्री के आगमन पर पीसीसी सदस्य सुनील शर्मा को किया हाउस अरेस्ट

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शहर कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधि मंडल आज मुरादनगर आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने जाना चाहता था परंतु कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट कराकर मिलने से रोक दिया और नायाब तहसीलदार मुकेश शर्मा ने सुनील शर्मा के आवास पर आकर ज्ञापन प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की तानाशाही है और सरकार डरी हुई है आम जनता की समस्याओं को सुनना नहीं चाहती पूरे उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट है। कांग्रेस पार्टी द्वारा कई बार तहसील के माध्यम से और पत्र व्यवहार के द्वारा सरकार को अवगत कराया गया परंतु भाजपा सरकार द्वारा समस्याओं के समाधान की बजाय आंदोलनकारी नेताओं को घर पर बंधक बनाया जाता है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश पीसीसी सदस्य सुनील शर्मा के साथ विधानसभा अध्यक्ष यूथ कांग्रेस अब्दुल कादिर त्यागी, शहर महासचिव मोदीनगर आरिफ रिजवी, ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष गोविंदपुरी राकेश सोनी, अनस सैफी, सुनील कटारिया, कल्पना सिंह, बबीता चौधरी, योगेंद्र सिंह, सतेंद्र शर्मा और जिला उपाध्यक्ष एनएसयूआई मोहम्मद नासिर आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल समापन

उभरती प्रौद्योगिकियों और इंडस्ट्री-एकेडमिक सहयोग पर विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) विभाग ने इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन (आईआईए) के सहयोग से 6 से 10 जुलाई, 2026 तक आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) 'इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज विद एप्लिकेशंस' का सफलतापूर्वक समापन किया।

कार्यक्रम के दौरान स्वदेशी तकनीक विकास, विनिर्माण प्रक्रिया नियंत्रण, एम्बेडेड इंटेलिजेंस, ऑटोनॉमस नेविगेशन तथा रियल-टाइम कंट्रोल जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि एम्बेडेड इंटेलिजेंस किस प्रकार एयरोस्पेस, रक्षा, ऑटोमेशन और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में तकनीकी क्रांति का आधार बन रही है। कार्यक्रम में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड , सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बिल टेक इलेक्ट्रिकल्स तथा ड्रोनेक्स के विशेषज्ञों ने व्याख्यान एवं इंटरैक्टिव कार्यशालाओं के माध्यम से प्रतिभागियों को नवीनतम औद्योगिक तकनीकों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से अवगत कराया। इन सत्रों से संकाय सदस्यों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाने तथा उन्नत अनुसंधान गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

कॉलेज प्रशासन ने कहा कि यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा में शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार, उद्योग-अकादमिक सहयोग तथा तकनीकी क्षमता निर्माण के प्रति संस्थान की सतत प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह कार्यक्रम संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक-कैंपस प्रो. (डॉ.) डी.के. शर्मा, डीन एकेडमिक्स प्रो. (डॉ.) अमित जैन तथा डीन आईक्यूएसी प्रो. (डॉ.) जय सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. स्वाति वैद (विभागाध्यक्ष, ईसीई) तथा इंजीनियर अरुण शुक्ला (विभागाध्यक्ष, आईआईआईसी) ने सभी विशिष्ट वक्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों को उद्योग की नवीनतम तकनीकों से जोड़ने के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे किसान यूनियन नेता को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कस्बा निवाड़ी में भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय आहवान पर एथलीट चिराग त्यागी हत्या मामले में उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे भकियू राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र को पुलिस द्वारा उनके निवास स्थान पर हाउस अरेस्ट कर लिया गया। शुक्रवार को मुरादनगर के रावली रोड स्थित केपीटी कालेज में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राज्यपाल त्यागी की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने के मौके पर भाकियू ने एथलीट चिराग त्यागी हत्या मामले में ज्ञापन देने की घोषणा की गई थी।जिसके चलते पुलिस द्वारा भाकियू के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी को उनके निवास स्थान निवाड़ी में सुबह से ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया। पुलिस प्रशासन ने नायब तहसीलदार मोदीनगर को ज्ञापन लेने यूनियन कार्यकताओं के पास भेजा भाकियू के पदाधिकारी ने उनको ज्ञापन सोंपा। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी,नगर अध्यक्ष नरेंद्र त्यागी,युवा नगर अध्यक्ष आशीष गर्ग,सभासद राजन त्यागी विक्की त्यागी जगदीश मांगू व सुबोध त्यागी, सुनील त्यागी,अमित गिरी, निक्कू त्यागी,अवनीश त्यागी पूर्व सभासद,मदनलाल फौजी,गोलू त्यागी,कपिल गर्ग रामकुमार त्यागी,अंकित त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

सैकड़ों युवाओं और गणमान्य लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की नीतियों और विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष देवव्रत धामा के जनसंघर्षों एवं सक्रिय कार्यशैली से प्रभावित होकर शुक्रवार को आज ग्राम कादराबाद में आयोजित भव्य सदस्यता कार्यक्रम में जाट समाज के सैकड़ों युवाओं और गणमान्य लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

यह सदस्यता अभियान अक्षय नेहरा एवं अक्षय सिंधु के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें काजमपुर, चुड़ियाला, फफराना, डबाना, कादराबाद, रोरी, निवाड़ी रोड, खंजरपुर, सैदपुर, बेगमाबाद, बुदाना और कादराबाद सहित आसपास के अनेक गांवों से भारी संख्या में लोग शामिल हुए। वहीं सीकरी खुर्द से जय चंदेला भी अपनी टीम के साथ समाजवादी पार्टी में सम्मिलित हुए। सभी नवसदस्यों ने एक स्वर में माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पुनः उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से शिवम बुदाना, विकास चुड़ियाला, रोहित चौधरी बुदाना, अमरीश चौधरी सैदपुर, नितिन चौधरी काजमपुर, सहित अनेक युवा अपनी-अपनी टीमों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष देवव्रत धामा ने कहा 'समाजवादी पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि किसानों, युवाओं, मजदूरों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और हर पीड़ित वर्ग की आवाज है। 2027 में जनता अन्याय, महंगाई, बेरोजगारी और किसान विरोधी नीतियों का जवाब वोट की ताकत से देगी और अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनाएगी।'

डीसीपी नगर/ट्रांस हिंडन ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन श्री धवल जायसवाल ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचे फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक शिकायत का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मामलों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीसीपी ने अधिकारियों से कहा कि आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बरती जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता को त्वरित न्याय और बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

'सुकून' ने छेड़े दिल के तार, बॉलीवुड की चमक के साथ हुआ भव्य आगाज

गीत, गजल और प्रेम की संवेदनाओं से सजा 'सुकून', श्रोताओं के दिलों तक पहुंचाने का दावा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर के आरडीसी स्थित एक प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट में शुक्रवार को बहुप्रतीक्षित संगीत एल्बम 'सुकून' का भव्य लॉन्च किया गया। इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में संगीत जगत से जुड़े कलाकारों, साहित्यकारों, संगीत प्रेमियों और मीडिया प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। एल्बम के लॉन्च के साथ ही इसके गीतों और संगीत को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजकों ने विश्वास जताया कि यह एल्बम अपनी मधुर धुनों, भावपूर्ण गीतों और उत्कृष्ट गायकी के दम पर संगीत प्रेमियों के बीच अलग पहचान बनाएगा। एल्बम 'सुकून' को अपनी सुमधुर और भावपूर्ण आवाज देने वाले युवा गायक राजा घोष ने बताया कि यह उनका दूसरा संगीत एल्बम है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को तैयार करने में पूरी टीम ने लंबे समय तक मेहनत की है और हर गीत को श्रोताओं की भावनाओं से जोडने का प्रयास किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह एल्बम लोगों के दिलों को छूने के साथ-साथ उनके जीवन के सुख-दुख और भावनाओं का भी हिस्सा बनेगा। एल्बम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके एक महत्वपूर्ण गीत में बॉलीवुड की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका, जी टीवी के लोकप्रिय संगीत कार्यक्रम 'सा रे गा मा पा' की विजेता और निर्णायक अर्पिता मुखर्जी ने अपनी मधुर आवाज दी है। उनकी गायकी ने गीत को नई ऊंचाई प्रदान की है। वर्षों से संगीत प्रेमियों के बीच अपनी अलग पहचान बना चुकी अर्पिता की मौजूदगी ने एल्बम के प्रति संगीत जगत की उत्सुकता और बढ़ा दी है। एल्बम का संगीत बॉलीवुड के जाने-माने संगीतकार संकल्प श्रीवास्तव ने तैयार किया है। उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भावनाओं को अभिव्यक्त करने की सबसे सशक्त कला है।

शिवभक्तों की सुरक्षा सर्वोपरि, दूधेश्वरनाथ धाम पहुंचे पुलिस आयुक्त, कांवड़ मेले की तैयारियों का लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। श्रावणी शिवरात्रि और कांवड़ मेले को लेकर गाजियाबाद पुलिस प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं यातायात) राजकरन नैयर ने शुक्रवार को सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ मठ महादेव मंदिर पहुंचकर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर परिसर, श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग, सुरक्षा इंतजाम और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया तथा मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज से भेंट कर कांवड़ मेले के सफल संचालन के लिए आवश्यक सुझाव प्राप्त किए। श्रावणी शिवरात्रि के अवसर पर 9, 10 और 11 अगस्त को आयोजित होने वाले कांवड़ मेले में देश-विदेश से लाखों शिवभक्त सिद्धपीठ श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में जुटा हुआ है। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजकरन नैयर ने भगवान श्री दूधेश्वरनाथ महादेव के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि तथा शांतिपूर्ण कांवड़ मेले की कामना की। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज के साथ विस्तृत बैठक कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन, पार्किंग व्यवस्था, आपातकालीन सेवाओं तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केवल कांवड़ मेले के तीन दिनों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे श्रावण मास और प्रत्येक श्रावण सोमवार को ध्यान में रखते हुए व्यापक सुरक्षा और यातायात योजना लागू की जाए। उन्होंने कहा कि मंदिर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को बिना किसी असुविधा के दर्शन और जलाभिषेक का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मंदिर प्रबंधन और श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज द्वारा दिए गए सभी सुझावों को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाए, ताकि सुरक्षा और व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे। इस अवसर पर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने दोनों वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का पवित्र अंगवस्त्र ओढ़ाकर, रुद्राक्ष की माला पहनाकर तथा भगवान श्री दूधेश्वरनाथ महादेव के इतिहास पर आधारित पुस्तक भेंट कर सम्मान किया।

मुख्यमंत्री का दौरा खत्म, लेकिन आरडीसी की बदहाली बरकरार

ललित शर्मा

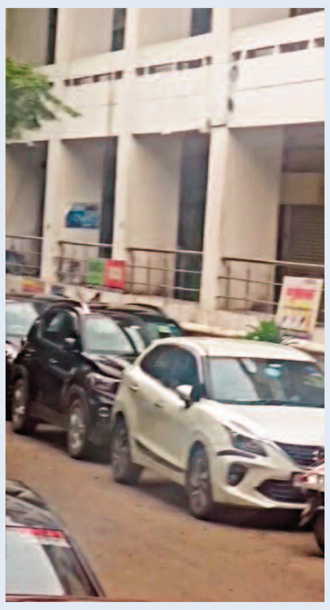

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गाज़ियाबाद दौरा संपन्न हो चुका है। दौरे से पहले कलेक्ट्रेट जाने वाले मुख्य मार्ग को साफ-सफाई, रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण के जरिए पूरी तरह चमका दिया गया था। ऐसा माहौल बनाया गया मानो पूरे शहर की तस्वीर बदल गई हो। लेकिन मुख्यमंत्री के दौरे के बाद भी कलेक्ट्रेट से कुछ ही दूरी पर स्थित राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर (आरडीसी) की बदहाल स्थिति जस की तस बनी हुई है। आरडीसी क्षेत्र के पार्क झाड़ियों से भरे पड़े हैं। अंदरूनी सड़कों पर अवैध रूप से सेल-परचेज, वाहन रिपेयरिंग और मैकेनिकों का कब्जा बना हुआ है। कई स्थानों पर सड़कें अवैध पार्किंग में तब्दील हो जाती हैं, जिससे दिनभर भीषण जाम की स्थिति बनी रहती है और आम नागरिकों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, कागजों में सीवर व्यवस्था दुरुस्त होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत में कई स्थानों पर गंदा सीवर का पानी सड़कों पर बहता दिखाई देता है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद क्षेत्र के रखरखाव की स्थिति गंभीर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर केवल उन्हीं मार्गों को संवारा गया, जहां से उनका काफिला गुजरना था, जबकि शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में शामिल आरडीसी की मूल समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया गया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि मुख्यमंत्री का दौरा समाप्त होने के बाद क्या आरडीसी की बदहाली दूर करने के लिए कोई ठोस कार्रवाई होगी, या फिर दौरे के दौरान दिखाई गई चमक-दमक के साथ ही प्रशासन की सक्रियता भी खत्म हो जाएगी?

गाजियाबाद का 'रामसेतु': नाम बदला, अब 'लंका' वाले सवालों पर भी छिड़ी चर्चा

संजय मित्तल

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन से दिल्ली सीमा (यूपी गेट) तक बने करीब 11 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड का नाम अब 'रामसेतु' कर दिया गया है। नगर निगम द्वारा प्रवेश द्वार पर भी बड़े अक्षरों में 'रामसेतु' लिखवाया गया है। इसके बाद यह मार्ग केवल यातायात सुविधा ही नहीं, बल्कि अपने नाम को लेकर भी चर्चा का विषय बन गया है।

त्रेता युग में भगवान श्रीराम द्वारा बनाया गया रामसेतु लंका तक पहुंचने का मार्ग माना जाता है। इसी कारण सोशल मीडिया पर कई लोग व्यंग्यात्मक अंदाज में सवाल उठा रहे हैं कि अगर गाजियाबाद का यह मार्ग 'रामसेतु' है, तो क्या दिल्ली की ओर जाने वाला हिस्सा अब 'लंका' कहलाएगा?

हालांकि, इस सवाल का वास्तविक उत्तर नहीं है। 'रामसेतु' नाम एक सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक नामकरण है। इसका किसी स्थान को 'लंका' घोषित करने या उससे जोड़ने का कोई आधिकारिक या वास्तविक संबंध नहीं है। यह एलिवेटेड रोड एक आधुनिक आधारभूत संरचना है, जिसे यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से बनाया गया है।

सोशल मीडिया पर चल रही 'लंका कौन-सी है?' जैसी टिप्पणियां मुख्य रूप से हास्य, व्यंग्य और राजनीतिक बहस का हिस्सा हैं। इन्हें तथ्यात्मक या आधिकारिक मानना उचित नहीं होगा।

फिलहाल इतना जरूर है कि 'रामसेतु' नाम मिलने के बाद गाजियाबाद का यह एलिवेटेड रोड शहर की पहचान का नया प्रतीक बन गया है और इसके नाम को लेकर लोगों के बीच अलग-अलग तरह की चर्चाएं लगातार जारी हैं।

छेड़छाड़ का विरोध बना मौत की वजह: दरिंदे ने 15 वर्षीय किशोरी को चौथी मंजिल से फेंका, आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कौशांबी थाना क्षेत्र के भोवापुर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छेड़छाड़ का विरोध करने पर 15 वर्षीय किशोरी को चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया गया, जिससे उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

भोवापुर में किराए पर रहने वाली किशोरी के साथ आरोपी शहनवाज उर्फ सानू ने जबरदस्ती करने का प्रयास किया।

किशोरी द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपी ने उसे चौथी मंजिल से नीचे धक्का दे दिया। गंभीर रूप से घायल किशोरी को पुलिस की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शहनवाज उर्फ सानू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है तथा आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में साक्ष्यों के आधार पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गाजियाबाद में भव्य स्वागत, डीएम रविंद्र कुमार मानदंड ने भेंट की भगवान शिव की प्रतिमा

संजय मित्तल

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गाजियाबाद आगमन पर जिला अधिकारी रविंद्र कुमार मानदंड ने भगवान शिव की प्रतिमा भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री का यह दौरा आगामी कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा और जिले की विभिन्न विकास योजनाओं से जुड़ा रहा।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मानदंड अपनी सादगी, ईमानदारी और कार्य के प्रति समर्पण के लिए गाजियाबाद में एक अलग पहचान रखते हैं। प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्ध निर्णय लेने की उनकी कार्यशैली की अक्सर चर्चा होती है। आमजन की समस्याओं के समाधान को लेकर वे लगातार सक्रिय रहते हैं और जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देते हैं।

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और शासन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कराने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रशासन की ओर से अवैध निर्माण, अतिक्रमण और अन्य नियमों के उल्लंघन के मामलों में समय-समय पर कार्रवाई की गई है। प्रशासन का कहना है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।

रविंद्र कुमार मानदंड के नेतृत्व में जिले में कई विकास कार्यों को गति मिली है। सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने, सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। यही वजह है कि जिले के अनेक लोग उनकी कार्यशैली की सराहना करते हैं और उन्हें एक कर्मठ अधिकारी के रूप में देखते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वागत के दौरान भी जिलाधिकारी ने सभी व्यवस्थाओं का स्वयं निरीक्षण किया और कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सक्रिय भूमिका निभाई। प्रशासन की ओर से सुरक्षा, यातायात और अन्य आवश्यक इंतजाम पहले से ही सुनिश्चित किए गए थे। गाजियाबाद में मुख्यमंत्री के इस दौरे को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि कांवड़ यात्रा सहित अन्य विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशों से जिले में व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत बनाने में सहायता मिलेगी।

निटरा में गूंजा टेक्नोलॉजी का भविष्य, ICETA-2026 का शुभारंभ; मंत्री सुनील शर्मा ने युवाओं को दिया नवाचार का मंत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद स्थित निटरा टेक्निकल कैंपस में शुक्रवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ICETA-2026 का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने किया।

सम्मेलन में देश-विदेश के शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधकताओं और उद्योग विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और उभरती प्रौद्योगिकियों पर मंथन किया।

कार्यक्रम में निटरा के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) एम. एस. परमार ने संस्थान की अनुसंधान और तकनीकी शिक्षा में उपलब्धियों को रेखांकित किया, जबकि निदेशक प्रो. (डॉ.) बी. के. शर्मा ने उद्योग और शिक्षा के बेहतर समन्वय तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। एकेटीयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) जे. पी. पाण्डेय ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए नई शिक्षा नीति के तहत तकनीकी शिक्षा में किए जा रहे बदलावों की जानकारी दी। सम्मेलन के दौरान ICETA-2026 बुक ऑफ एब्स्ट्रैक्ट्स का विमोचन किया गया तथा निटरा और सी-डैक के बीच अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। अपने संबोधन में मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने में अक् इलेक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा और स्टार्टअप आधारित नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने युवाओं से तकनीकी अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

इंदिरापुरम में बड़ा हादसा: दीवार गिरने से तीन स्कूली छात्र गंभीर रूप से घायल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के गांव मकनपुर में शुक्रवार को एक निमार्णाधीन भवन की दीवार गिरने से बड़ा हादसा हो गया। पांच मंजिला इमारत की तीसरी मंजिल की दीवार अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। मलबा गली से गुजर रहे कंपोजिट विद्यालय के तीन स्कूली छात्रों पर आ गिरा, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर बच्चों को अस्पताल पहुंचाया।

घायल छात्रों की पहचान 11 वर्षीय हृदेश, 14 वर्षीय किशन पाल और 13 वर्षीय मोनू के रूप में हुई है। तीनों न्याय खंड क्षेत्र के निवासी हैं। अस्पताल में उनका उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही इंदिरापुरम पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। एसीपी सूर्यबली मौर्या ने बताया कि बच्चों के परिजनों की तहरीर के आधार पर थाना इंदिरापुरम में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस निमार्णाधीन भवन में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और हादसे के कारणों की भी जांच कर रही है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों का हुंकार, महापंचायत में हजारों किसानों का शक्ति प्रदर्शन

10% विकसित भूखंड, बढ़ा मुआवजा और आबादी निस्तारण की मांग; बोले किसान– मांगें पूरी होने तक आंदोलन रहेगा जारी

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर शुक्रवार को किसान संघर्ष मोर्चा के बैनर तले किसानों ने विशाल महापंचायत आयोजित कर अपनी लंबित मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया।

10 प्रतिशत विकसित भूखंड, नए भूमि अधिग्रहण कानून का लाभ, सर्किल रेट में वृद्धि और आबादी के निस्तारण जैसी प्रमुख मांगों को लेकर बड़ी संख्या में किसान प्राधिकरण पहुंचे। प्रदर्शन को देखते हुए प्राधिकरण परिसर और आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहा।

महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन (भानू), किसान सभा, किसान एकता संघ, किसान परिषद सहित 12 से अधिक किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के 44 गांवों समेत तीनों प्राधिकरण क्षेत्रों के 100 से अधिक गांवों के किसान आंदोलन में शामिल हुए। किसान नेताओं ने कहा कि पिछले 12-13 वर्षों से किसान अपनी मांगों को लेकर प्राधिकरण के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला।

उनका कहना है कि 10 प्रतिशत विकसित भूखंड, नए भूमि अधिग्रहण कानून का लाभ, आबादी का निस्तारण और सर्किल रेट में बढ़ोतरी किसानों की प्रमुख मांगें हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यह आंदोलन केवल शुरूआत है और मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के नोएडा दौरे के बावजूद किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उनका कहना है कि भूमि अधिग्रहण के वर्षों बाद भी किसानों को पूरा मुआवजा और विकसित भूखंड नहीं मिल पाए हैं।

धरना-प्रदर्शन के दौरान कुछ किसानों ने प्राधिकरण कार्यालय में प्रवेश करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें मुख्य गेट पर ही रोक दिया। इस दौरान हल्की नोकझोंक भी हुई, हालांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित रखा।

किसानों ने दोहराया कि जब तक उनकी मांगों पर निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।